

झारखंड के 30 बाल वैज्ञानिक दिल्ली में दिखायेंगे प्रतिभा

12वीं राष्ट्रीय इंस्पायर अवॉर्ड-मानक प्रतियोगिता 12 से

प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 14 अक्टूबर तक दिल्ली के भारत मंडपम में होगा

संवाददाता

रांची: झारखंड के 30 बाल वैज्ञानिक 12वीं राष्ट्रीय इंस्पायर अवॉर्ड-मानक प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए 10 अक्टूबर को दिल्ली रवाना होंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान की ओर से प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 14 अक्टूबर तक दिल्ली के भारत मंडपम में किया जाएगा।

बाल वैज्ञानिकों की टीम 10 अक्टूबर को रांची रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना होगी। निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजेश कुमार बाल वैज्ञानिकों को

प्रोत्साहित कर टीम को रवाना करेंगे। इस आयोजन में वर्ष 2023-24 और 2024-25 के राज्य स्तरीय विजेता शामिल होंगे। इंस्पायर अवॉर्ड-मानक के तहत देशभर के स्कूली विद्यार्थियों के नवाचार और वैज्ञानिक सोच को मंच दिया जाता है। झारखंड से चयनित 30 बाल वैज्ञानिक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपने प्रोजेक्ट और नवाचार का प्रदर्शन करेंगे।

जिला स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी ऑफलाइन: इधर, वर्ष 2026 के इंस्पायर अवॉर्ड-मानक नॉमिनेशन को लेकर राज्य स्तर पर ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। क्षेत्रीय शिक्षा



संयुक्त निदेशक सह राज्य नोडल पदाधिकारी नीलम आईलिन टोप्पो ने बैठक में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता ऑफलाइन आयोजित कराने की बात कही है।

सहायक राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ शाहनवाज कुरैशी ने बताया कि झारखंड में अब तक 39,570 नॉमिनेशन हो चुके हैं। नॉमिनेशन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित है। विभाग का लक्ष्य अंतिम तिथि तक 50 हजार नॉमिनेशन पूरा करना है। जिलावार आंकड़ों में पलामू सबसे आगे है। पलामू में 4,596 नॉमिनेशन हुए हैं और

वह राज्य में पहले स्थान पर है। धनबाद 2,828 नॉमिनेशन के साथ दूसरे, रांची 2,636 के साथ तीसरे, हजारीबाग 2,590 के साथ चौथे और पूर्वी सिंहभूम 2,490 नॉमिनेशन के साथ पांचवें स्थान पर है।

पलामू ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जगह बनाई है। वह देश में सर्वाधिक नॉमिनेशन करने वाले शीर्ष 50 जिलों में स्थान हासिल करने वाला झारखंड का एकमात्र जिला है। विभाग की ओर से सभी जिलों को अंतिम तिथि तक अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नॉमिनेशन कराने और लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

हाटिया गार्डन में महाआरती और हनुमान चालीसा पाठ, जयघोष से गूंजा मंदिर परिसर

संवाददाता

लोहरदगा: हाटिया गार्डन स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में मंगलवार को हाटिया गार्डन विकास मंच के तत्वावधान में भव्य महाआरती और श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हाटिया गार्डन विकास मंच के अध्यक्ष के सानिध्य और नेतृत्व में संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, माता-बहनें और युवा शामिल हुए।

जय श्रीराम और जय



बजरंगबली के जयघोष से गूंजा परिसर: महाआरती और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री हनुमान से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति

भव्य सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। मंदिर निर्माण में सहयोग और योगदान देने वाले संरक्षकों को सम्मानित किया गया।

सामूहिक सहभागिता एकता और सोहार्द का प्रतीक: कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि धार्मिक आयोजन के साथ मंदिर निर्माण कार्य में सामूहिक सहभागिता क्षेत्र की एकता और सामाजिक सोहार्द का प्रतीक है। आयोजन के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने भगवान श्री हनुमान का प्रसाद ग्रहण किया और उनका आशीर्वाद लिया।

शारदीय नवरात्र को लेकर भवनाथपुर प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर

भवनाथपुर (गढ़वा): शारदीय नवरात्र को लेकर भवनाथपुर प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कलश स्थापना में अब महज दो दिन शेष हैं। ऐसे में विभिन्न पूजा समितियों की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गांव से लेकर बाजार और शहर तक नवरात्र को लेकर उत्साह का माहौल है और पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आने लगा है।

पंडाल निर्माण और सजावट का काम तेज: भवनाथपुर प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न पूजा पंडालों के निर्माण और सजावट का काम

तेजी से चल रहा है। वहीं दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे कलाकार भी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। पूजा समितियों के सदस्य पंडालों की साज-सज्जा, विद्युत व्यवस्था, पूजा सामग्री सहित अन्य तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। मंदिरों में भी नवरात्र की विशेष पूजा-अर्चना को लेकर तैयारियों की जा रही है।

गांवों में रामलीला को लेकर भी उत्साह: ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्र को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। अरसली दक्षिणी पंचायत के बनेखेता गांव में दुर्गापूजा के साथ रामलीला को लेकर

स्थानीय कलाकार रिहसल को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इसी तरह बनसानी पंचायत के झगराखाड़ में भी रामलीला के आयोजन को लेकर कलाकार लगातार अभ्यास कर रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि नवरात्र के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति और धार्मिक वातावरण उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

अष्टभुजी दुर्गा मंदिर में भक्ति जागरण: इधर, टाउनशिप स्थित अष्टभुजी दुर्गा मंदिर परिसर में भी नवरात्र को लेकर विशेष तैयारियां चल रही हैं। मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सजावट और श्रद्धालुओं की

सुविधा को लेकर पूजा समिति की ओर से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नवरात्र की सप्तमी तिथि को मंदिर परिसर में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया है। इसमें गायिका साक्षी सिंह और सोनाली सिंह अपनी प्रस्तुति देंगी।

आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह: नवरात्र को लेकर क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह है। पूजा समितियां आयोजन को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने में जुटी हैं। वहीं श्रद्धालु भी कलश स्थापना और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना को लेकर तैयारियों में लगे हुए हैं।

रूपी सोरेन के निधन पर शोक की लहर



मुरी: रूपी सोरेन के निधन से सिल्ली-मुरी समेत पैतृक गांव डीमरा में शोक की लहर है। जेएम एमके, सिल्ली समर्थक रूपी सोरेन के निधन से आहत है। मुखिया

गंगा नारायण कहा कि अभी एक साल पहले ही हेमन्त सोरेन के

पिता का निधन का हुआ था तुरन्त मां का भी निधन काफी व्यथित करने वाला है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

चंदवा में दो सड़क हादसे, छह घायल, तीन गंभीर



लातेहार: चंदवा और लोहरदगा थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई गई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया।

पहली घटना चंदवा-चांपी-लोहरदगा मुख्य पथ पर हुई, जहां बाइक की टक्कर में रशीद अंसारी, उनकी पत्नी खूबसाना, सात वर्षीय पुत्र अलियान समेत चार लोग घायल हो गए। सभी का प्राथमिक उपचार चंदवा के निजी क्लीनिक में कराया गया। वहीं दूसरी घटना लुकुइया गांव के समीप हुई। नावागढ़ निवासी अक्षय भुइयां की बाइक की चपेट में बोदा निवासी रुपेश महली आ गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए। चंदवा सैन्सि में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया। दो हादसों में छह घायल होने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने समय पर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

आठ साल बाद फिर सजेगा गौशाला मेला 17 से 21 नवंबर तक होंगे भव्य आयोजन



झुमरी तिलैया: आठ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद श्री कोडरमा गौशाला समिति की ओर से एक बार फिर गोपाष्टमी मेला का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर अग्रसेन भवन, झुमरी तिलैया में समिति की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष प्रदीप केडिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 17 से 21 नवंबर 2026 तक पांच दिवसीय गौशाला मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मेला वदूटांड स्थित श्री कोडरमा गौशाला समिति परिसर में लगेगा। पांच दिनों तक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा स्पीच, ड्रॉइंग और गायन प्रतियोगिता आयोजित होगी। जादूगर का शो और कवि सम्मेलन मेले के प्रमुख आकर्षण होंगे। बैठक में मेले के व्यापक प्रचार। प्रसार को लेकर भी रणनीति बनाई गई। सोशल मीडिया के साथ स्थानीय स्तर पर प्रचार अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। मेले की कार्यक्रम रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी मेला मंत्री राम रतन महर्षि एवं प्रदीप खाटूवाला को सौंपी गई। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद आयोजित होने वाले इस मेले को आकर्षक एवं व्यवस्थित बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल हों और गौसेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचे। बैठक में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। बैठक में संरक्षक श्याम सुंदर सिंघानिया एवं सुरेश जैन, अध्यक्ष प्रदीप केडिया, सचिव अरुण मोदी, कैलाश चौधरी, महेश वारुका, संजय अग्रवाल, पप्पू केडिया, मनोज केडिया, उमाशंकर जगनानी, अमित खेतान, सुभाष वर्णवाल, जगदीश संधई, पवन चौधरी, रितेश लोहानी, अरुण वर्णवाल, अरविंद चौधरी, चंद्रशेखर जोशी, सुष्मा सुमन, अरुण बौद्ध एवं रौनक कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संजय कुमार यादव

लातेहार: पहाड़ियों और हरियाली से घिरी प्रकृति की गोद में स्थित मां उग्रतारा नगर भगवती मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थल नहीं, बल्कि सदियों पुरानी आस्था, इतिहास और लोकपरंपराओं की जीवंत विरासत है। चंदवा प्रखंड के नगर गांव में स्थित इस प्राचीन मंदिर का इतिहास करीब 400 वर्ष से भी अधिक पुराना बताया जाता है। हालांकि मंदिर की प्राचीनता को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं और कुछ ऐतिहासिक उल्लेख इसे इससे भी पुराना बताते हैं।

मंदिर की परंपरा को टोरी स्टेट के शासक से जोड़कर देखा जाता है। वहीं मंदिर के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार से देश की प्रसिद्ध धर्मपरायण शासिका रानी अहिल्याबाई होल्कर का नाम भी जुड़ा हुआ है। मंदिर के पुजारी एवं सेवायत गोविंद बल्लभ मिश्र के अनुसार, ऐतिहासिक अभिलेखों और पलामू गजट में भी मंदिर का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि मां उग्रतारा की महिमा सुनकर रानी अहिल्याबाई होल्कर यहां पहुंचीं और माता की पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर के जीर्णोद्धार में योगदान दिया।



16 दिनों तक गुंजता है मां का जयघोष: मां उग्रतारा नगर भगवती मंदिर की सबसे विशिष्ट परंपराओं में यहां होने वाली 16 दिवसीय दुर्गा पूजा शामिल है। जितजित्या पर्व के पारण के बाद मां अष्टादशभुजा की कलश स्थापना के साथ विशेष पूजा-अर्चना शुरू होती है।

इसके बाद लगातार 16 दिनों तक मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान और

विशेष पूजा-पाठ होते हैं। परंपरा के अनुसार तीन दिनों तक बलि की रस्म भी निभाई जाती है। मंदिर सेवायतों के अनुसार यह परंपरा मंदिर की स्थापना काल से चली आ रही है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है।

फूल गिरा तो माना जाता है मां ने स्वीकार की मनोकामना: मां उग्रतारा के दरबार से जुड़ी एक

अनोखी लोकमान्यता श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र है। मान्यता है कि भक्त अपनी मनोकामना लेकर माता के चरणों में फूल अर्पित करते हैं। यदि चढ़ाया गया फूल माता के चबूतरे से नीचे गिर जाता है तो इसे मां की स्वीकृति का संकेत माना जाता है। इसी विश्वास के साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु मां के दरबार में अपनी मनोकामनाएं रखते हैं और माता से आशीर्वाद की कामना करते हैं।

झारखंड ही नहीं, कई राज्यों से पहुंचते हैं श्रद्धालु: मां उग्रतारा मंदिर की आस्था की सीमा नगर गांव और चंदवा तक सीमित नहीं है। झारखंड के विभिन्न हिस्सों के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा समेत अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर की एक खास विशेषता यह भी है कि स्थानीय स्तर पर विभिन्न जाति और समुदायों के लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। वर्षों से चली आ रही धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में स्थानीय लोग अपनी-अपनी भूमिका निभाते आ रहे हैं।

दुर्गा मंडल रोल में पहली बार होगा रावण दहन इंडिया गेट की तर्ज पर सजेगा पूजा पंडाल

विजयदशमी की शाम भव्य आतिशबाजी के साथ होगा रावण दहन : प्रतुल शाहदेव

संजय कुमार यादव

चंदवा: दुर्गा मंडल रोल, महाम्बलान में इस वर्ष दुर्गापूजा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पूजा के 19वें वर्ष को यादगार बनाने के लिए इस बार कई आकर्षण जोड़े गए हैं। पूजा पंडाल का निर्माण इंडिया गेट की तर्ज पर किया जा रहा है। वहीं, पूरे क्षेत्र में पहली बार विजयदशमी की शाम रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

दुर्गा मंडल रोल के अध्यक्ष प्रतुल नाथ शाहदेव ने बताया कि



विजयदशमी की शाम मंडल के मैदान में रावण दहन किया जाएगा। इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी भी होगी। क्षेत्र में पहली बार रावण दहन होने से आसपास के ग्रामीणों में खासा उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक रावण दहन देखने के लिए उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता था, लेकिन इस वर्ष यह आयोजन स्थानीय स्तर पर ही देखने को मिलेगा। प्रतुल शाहदेव ने बताया कि दुर्गापूजा के साथ जतरा मेला और रावण दहन को भव्य रूप देने के लिए अलग-

अलग समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां बांट दी गयी हैं। पूजा समिति के सदस्य और स्थानीय ग्रामीण आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाएगा। पूजा पंडाल और आसपास के क्षेत्र को आकर्षक रूप देने के लिए भी तैयारियां चल रही हैं।पूजा, जतरा मेला और रावण दहन कार्यक्रम को सफल बनाने में सतपाल घटवार, सूर्यनाथ सिंह, हेमंत चावड़ा, आशीष सिंह,

कोलेशर यादव, अजीत शहदेव, मनोज यादव, लखन प्रजापति, देव प्रकाश घटवार, आलोक कुमार, बल्लू मुंडा, दिलीप साव, पवन प्रजापति, शंभू यादव, रवींद्र गोप, पिंटू प्रजापति, राहुल शाहदेव, दीपक शाहदेव, सुरेंद्र यादव, विशुन रजवार, रामचंद्र घटवार, गणेश प्रजापति, विनोद प्रजापति, सत्यम शाहदेव, रतन देव भगत, शंकर मुंडा, बैजू मुंडा, राजेश यादव, केशवर यादव, रविंद्र यादव, अमृत प्रजापति, आकाश गुप्ता, उपेंद्र यादव समेत अन्य लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन पर हाजी मतलूब इमाम ने जताया शोक

गुलाम शाहिद

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन की खबर से शोक की लहर है। उनके निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं झारखंड राब्ता हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी मतलूब इमाम ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हाजी मतलूब इमाम ने कहा कि रूपी सोरेन का निधन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पूरे परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों के साथ-साथ झारखंड की जनता को भी इस दुख को सहने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि इस कठिन घड़ी में उनकी संवेदनाएं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के साथ हैं।

काली मंदिर में में चोरी, सुबह दूटा ताला देख उड़े पुजारी के होश

रांची: ओरमांडी काली मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। मंदिर से एक सोने की चेन, बड़ा और छोटा चांदी का हार तथा एक चांदी की चूड़ी गायब है। चोरी गए आभूषणों की कीमत करीब दो लाख रुपए आंकी गई है। मामले को लेकर मंदिर के पुजारी जय प्रकाश दुबे ने ओरमांडी थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी तो दूटा मिला ताला: पुजारी जय प्रकाश दुबे के अनुसार, वह शाम में पूजा करने के बाद मंदिर में ताला लगाकर घर चले गए थे। सुबह मंदिर की साफ-सफाई के लिए पहुंचे, तो मंदिर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो काली मां की मूर्ति के आसपास का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर एक सोने की चेन, बड़ा-छोटा चांदी का हार और एक चांदी की चूड़ी गायब मिली। पुजारी ने आवेदन में चोरी गये सामान की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई है।

डीएसपी और थाना प्रभारी ने किया मंदिर का मुआयना: घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली डीएसपी मनीष चंद्र लाल और ओरमांडी थाना प्रभारी मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मंदिर का मुआयना किया और घटना की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी है।

इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में शामिल होंगे देवेन्द्र नाथ महतो, युवा राजनीति पर रखेंगे विचार



रांची : देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान इंडिया टुडे समूह द्वारा मुंबई में आयोजित दो दिवसीय इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में झारखंड के युवा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र नाथ महतो शामिल होंगे। कॉन्क्लेव का आयोजन 9 और 10 अक्टूबर को मुंबई स्थित द फोर सीजन्स होटल में किया जा रहा है।

कॉन्क्लेव में देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था, युवा नेतृत्व, सामाजिक परिवर्तन, प्रौद्योगिकी और समकालीन राष्ट्रीय मुद्दों पर देश की प्रमुख हस्तियां अपने विचार रखेंगे। देवेन्द्र नाथ महतो कॉन्क्लेव के पहले दिन व्हाट्स ऑन यंग इंडियाज पॉलिटिकल विशलिस्ट विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा।

इस सत्र में युवाओं की राजनीतिक अपेक्षाओं, लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी, नई पीढ़ी की प्राथमिकताओं और देश की राजनीति में आवश्यक बदलाव जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

चुटिया श्रीराम मंदिर में नवरात्र पर नौ दिवसीय रामायण पाठ, विजयादशमी पर होगा नगर व्रमण

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड के अति प्राचीन श्रीराम मंदिर, चुटिया में नवरात्र के शुभ अवसर पर इस वर्ष भी धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हनुमान दल सत्संग सभा की ओर से 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक नौ दिवसीय रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में कुंवारी कन्याओं द्वारा सामूहिक रामायण पाठ किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, रामायण पाठ प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। वहीं, प्रत्येक दिन शाम 7:30 बजे से महारानी दिन शाम 7:30 बजे से पूजा-अर्चना की जाएगी। कार्यक्रम में व्यास मंडली द्वारा रामायण पाठ किया जाएगा। इस वर्ष व्यास सत्यानारायण दास जी रामायण पाठ करेंगे। विजयादशमी पर नगर भ्रमण: 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को विजयादशमी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के आयोजन किया जाएगा। यह

कार्यक्रम सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। नगर भ्रमण श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होकर सरस्वती शिशु मंदिर तक जाएगा तथा वहां से पुनः सरस्वती शिशु मंदिर, चुटिया थाना रोड और इंदिरा गांधी चौक होते हुए श्रीराम मंदिर में आकर संपन्न होगा।

आयोजकों ने कार्यक्रम के दौरान विधि-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील की है। इसके लिए 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक छह महिला आरक्षी एवं छह पुरुष आरक्षी की प्रतिनियुक्ति कार्यक्रम स्थल पर करने का अनुरोध किया गया है। हनुमान दल सत्संग सभा के सचिव हरिशंकर शर्मा एवं अध्यक्ष विजय कुमार साहू (पूजा पार्षद) ने प्रशासन से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

रांची में अब एआई से होगा नी-रिप्लेसमेंट, पारस-एचईसी हॉस्पिटल में शुरू हुई रोबोटिक प्लस तकनीक

संवाददाता

रांची: पारस-एचईसी हॉस्पिटल, रांची में अब एक नई सुविधा शुरू हुई है। यह अक आधारित रोबोटिक प्लस तकनीक से पर्सनलाइज्ड टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) करती है। इस उन्नत तकनीक मे माध्यम से मरीज के घुटने की प्राकृतिक बनावट और एलाइनमेंट को ध्यान में रखते हुए इम्प्लान्ट की स्थिति और सर्जरी की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलती है।

यह तकनीक डॉक्टर को मरीज के घुटने का एकदम सटीक 3डी मॉडल बनाकर सर्जरी की योजना बनाने में मदद करती है, ठीक वैसे



ही जैसे आर्किटेक्ट घर बनाने से



पहले उसका नक्शा बनाते हैं। इस



नई तकनीक की सफलता का

पहला प्रमाण - पिछले महीने सात मरीजों की सफलतापूर्वक सर्जरी हुई।

रोबोटिक्स प्लस: सर्जरी से पहले, दौरान और बाद में सटीक जानकारी : रोबोटिक्स प्लस सिस्टम सर्जरी के विभिन्न चरणों में आवश्यक माप और जानकारी उपलब्ध कराता है। इसमें सर्जरी से पहले की योजना, ऑपरेशन के दौरान गाइडेंस और ऑपरेशन के बाद परिणाम के आकलन में मदद मिलती है। इस तकनीक का उद्देश्य मरीज के घुटने की व्यक्तिगत संरचना के अनुसार इम्प्लान्ट की स्थिति और सर्जिकल प्लान को बेहतर ढंग से तैयार करने में सहायता करना है।

हर व्यक्ति के घुटने की संरचना अलग : डॉ विवेक कुमार डेविड

कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ विवेक कुमार डेविड ने बताया, 'हर किसी के घुटने अलग होते हैं, और यह अक तकनीक इसी के अनुसार सर्जरी प्लान करने में डॉक्टरों की मदद करती है।'

झारखंड के मरीजों को रांची में ही मिलेगी सुविधा: अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा, 'इस सुविधा के शुरू होने से झारखंड के मरीजों को रांची में ही आधुनिक और पर्सनलाइज्ड घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा मिल सकेगी।'

संवाददाता

रांची: राज्य में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान अब तक करीब 10 लाख दावों का निपटारा होना बाकी है, जबकि इसके लिए महज 7 दिन ही शेष हैं। यानी 7 दिनों में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावा आपत्ति की सुनवाई कर चुनाव आयोग उनके मतदाता होने की योग्यता को प्रमाणित करेगा। चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के तहत 14 अक्टूबर तक दावा आपत्तियों का निपटारा किया जाना है और उसके बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर को होना है।

भारत निर्वाचन आयोग से समय सीमा बढ़ाने का आग्रह: के रवि कुमार : याद रहे कि दावा आपत्ति की अवधि 30 सितंबर को ही समाप्त हो चुकी है। ऐसे में इतनी संख्या में डाक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन निर्धारित समय में होना संभव नहीं है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग से समय सीमा 60 दिन बढ़ाने का आग्रह किया है। इन सबके बीच



चुनाव आयोग ने 7, 8 एवं 9 अक्टूबर को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष डिजिटाइजेशन कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 10 अक्टूबर को सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेलपडैस्क लगाने का भी फैसला किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार यदि समय सीमा बढ़ाई

जाती है तो 19 अक्टूबर को प्रस्तावित अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन नहीं हो सकेगा।

वोटर नोटिस लेने नहीं आ रहे हैं: बीएलओ संजना तबस्सुम एसआईआर के दौरान बीएलओ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस दौरान कई ऐसे वोटर मिल रहे हैं, जिन्होंने या तो मोबाइल नंबर बदल लिया है या

फिर अपना पता बदल लिया है। ऐसे में इन मतदाताओं का वेरिफिकेशन नहीं हो पा रहा है। बीएलओ संजना तबस्सुम कहती हैं कि फोन करने के बावजूद वोटर नोटिस लेने नहीं आते हैं, कुछ ऐसे वोटर हैं जिनका मोबाइल नंबर बदल गया है और दूसरा जैसे ही बात करता है उसका बर्ताव ठीक नहीं रहता।

मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में कैसे शामिल होगा: बीएलओ पुष्पा : बीएलओ अनिमा टोप्पो कहती हैं कि फोन नहीं लगने पर घर-घर जाकर ऐसे वोटर को नोटिस दिया जा रहा है जिससे वो अपने नाम में पाए गए विसंगति को दूर करा लें। बीएलओ पुष्पा कहती हैं कि अब दावा आपत्ति पर सुनवाई के कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में नोटिस नहीं लेने वाले मतदाताओं का नाम कैसे वोटर लिस्ट में शामिल होगा यह चुनाव आयोग तय करेगा।

कई बार बीएलओ के समक्ष उपस्थित हो चुके हैं: मतदाता विनोद कुमार हटिया विधानसभा क्षेत्र के हरमू के रहने वाले मतदाता विनोद कुमार का एक ही कॉलोनी में अलग-अलग मतदान केंद्र पर तीन जगह नाम वोटर लिस्ट में दाखिल है, ऐसे में वह किसी एक जगह नाम रखना चाहते हैं। इसके लिए नोटिस का जवाब देने कई बार बीएलओ के समक्ष जा चुके हैं। उनका कहना है कि पूर्व में हुई गलती और खामियों की वजह से आज लोग परेशान हो रहे हैं हालांकि एसआईआर के बाद सबकुछ

ठीक हो जायेगा।

कब बन सकते हैं वोटर: चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में नाम दाखिल करने के लिए योग्यता तिथि 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित की है। ऐसे भारतीय युवा जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष हुई है और उनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है वो मतदाता बन सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर फॉर्म-6 भरकर मतदाता बनने के लिए आवेदन किया जा सकता है।

भविष्य में आवश्यकतानुसार मिलेगी सुविधा: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार मतदाता सूची में नाम दर्ज होना प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण है। वर्तमान एसआईआर में 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग के आधार पर संबंधित मतदाताओं एवं उनके बच्चों को दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया में सुविधा प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार वर्तमान एसआईआर में नाम शामिल होने से भविष्य में संबंधित मतदाता एवं उनके बच्चों को आवश्यकतानुसार सुविधा मिलेगी।

रूपी सोरेन के निधन से झारखंड ने एक समर्पित संघर्षशील महिला खो दिया : आलोक दूबे

मेट्रो रेज

रांची: प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे एवं डॉ। राजेश गुप्ता ने पूर्वाह्न मोरहाबादी स्थित दिशुम गुरु श्री शिबू सोरेन के आवास पहुंचकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पूज्य माता एवं दिशुम गुरु श्री शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रूपी सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रूपी सोरेन का जीवन त्याग, संघर्ष और समर्पण की मिसाल रहा है। उन्होंने अपने जीवनसाथी दिशुम गुरु शिबू सोरेन के साथ हर संघर्ष में मजबूती से खड़ी रहकर परिवार और आंदोलन दोनों को

संबल प्रदान किया। झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के कठिन दौर से लेकर राज्य निर्माण और उसके बाद के राजनीतिक सफर तक उनके योगदान को झारखंड हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि रूपी सोरेन ने एक संघर्षशील परिवार को मजबूती देने के साथ-साथ झारखंड के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। उनका निधन परिवार के साथ-साथ झारखंड के लिए भी अपूरणीय क्षति है। कांग्रेस नेताओं ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान मिले तथा शोकाकुल सोरेन परिवार एवं उनके सभी शुभचिंतकों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान हो।

अपरिहार्य कारणों से शिवराज सिंह चौहान का रांची दौरा स्थगित, किसानों की समस्याओं पर होनी थी अहम बैठक

रांची: केंद्रीय कृषि व कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का 8 अक्तूबर को प्रस्तावित रांची दौरा अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गया है। उनके रांची आगमन को लेकर राज्य की कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिरकी ने कृषि विभाग से संबंधित केंद्र प्रायोजित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की थी। केंद्रीय मंत्री के समक्ष योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही जमीनी और व्यावहारिक समस्याओं को रखा जाना था। नेपाल हाउस स्थित मंत्री आवास में हुई समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति, किसानों एवं लाधुकों तक योजनाओं की पहुंच और आवंटित राशि के समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग पर चर्चा की गयी।



बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिके वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। काल् देसरोथ, पीटर हेगमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से ह्यऑटोजेनेटिक्सम्ह तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अर्बों नर्व सेल्स यानी न्यूरोन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरोन्स समूहों की कैसे भूमिका होती है। निस्पंदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरूआत पीटर हेगमान द्वारा हर शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि वह प्रोटीन रोशनी पर कैसेी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरोन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं। बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरूआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसेी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततः यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी। भरोसा है कि वह खोज मानव कल्याण के नये मार्ग खोलेगी। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस खोज के सामने आने के बाद आंखों की रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर, उन लोगों के जीवन में रोशनी लायी जा सकेगी, जो किसी रोग के कारण दृष्टिहीन हो गए थे। वहीं दुनिया में तेजी से बढ़ रहे दिमागी रोग पार्किंसंस के रोग में, खास दिमागी कोशिकाओं को नियंत्रित करके ऐसे रोगी के शरीर में कंपन व अन्य लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकेगा। दूसरी तरफ आधुनिक जीवन शैली से उपजे अवसाद के कारण निर्यंगण में भी यह खोज सहायक बन सकती है। उम्मीद जगी है कि यह खोज अवसाद व तनाव के दौरान दिमाग के प्रभावित हिस्सों की पहचान कर सकेगी। इसमें दो राय नहीं कि इस खोज का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में अभी कुछ वक्त लगेगा, लेकिन मनुष्य के जीवन में इस खोज ने एक नई उम्मीद तो जगा दी है।

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कार्यदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये सीगैन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी सुर्यदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में डलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नगदर मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट ऑथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरूआत मात्र हैं।

संपादकीय

सीमा के आर-पार बेटियों की तस्करी का खेल!

एक अर्थ सिर्फ किसी महिला को वेश्यावृत्ति में धकेलना नहीं है। जबरन श्रम, यौन शोषण, फर्जी विवाह, घरेलू बंधुआ श्रम, बच्चों की तस्करी और झूठे रोजगार के नाम पर विदेश भेजना इसके अलग-अलग रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के दक्षिण एशिया संबंधी आंकड़ों में महिलाओं और लड़कियों की बड़ी हिस्सेदारी मानव तस्करी के पहचाने गए पीड़ितों में सामने आती है।

क देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा तक इंसान की आवाजाही सामान्य बात हो सकती है किंतु जब किसी युवती को दुर्गम रास्तों से चुपचाप सीमा पार कराकर दूसरे शहर में ले जाया जाए, उसके लिए पहले से विवाह तय हो और उसके पीछे बिचौलियों का संगठित नेटवर्क काम कर रहा हो, तब मामला मानव तस्करी की गंभीरता का हो जाता है। वस्तुतः ग्वालियर जीआरपी की हालिया कार्रवाई ने इसी भयावह पक्ष की ओर देश का ध्यान खींचा है।

- डॉ. मयंक चतुवेदी

बांग्लादेश के कुतुपालोंग शरणार्थी शिविर से म्यांमार मूल की चार युवतियों को अवैध तरीके से भारत लाया गया था। ग्वालियर में स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के जनरल कोच से इनमें शामिल 25 वर्षीय मुबीन को हिरासत में लिया गया और पुछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से 35 वर्षीय मोहम्मद हसन को पकड़ा गया है। गहराई से पता करने पर सामने आया है कि चारों युवतियों को आगे जम्मु-कश्मीर ले जाकर मैरिज कराने की योजना थी। वस्तुतः आज यह कार्रवाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने एक ऐसे रास्ते की ओर संकेत किया है जिसमें बांग्लादेश का शरणार्थी शिविर, सीमा पार कराने वाले बिचौलिए, भारत के भीतर ठिकाने, रेलमार्ग और आगे विवाह की व्यवस्था जैसी अलग-अलग कड़ियां एक-दूसरे से जुड़ती दिखाई दे रही हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से महिलाओं और लड़कियों को बेहतर

जीवन, रोजगार और सुविधाओं के वादे पर भारत लाने के मामले सामने आए हैं। सरकारी रिकॉर्ड में यह भी दर्ज है कि भारत से महिलाएं और लड़कियां आगे मध्य-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचाई जाती रही हैं। यानी समस्या की दिशा एकतरफा नहीं है। भारत की बेटियों को भी विदेशों में रोजगार, विवाह, मनोरंजन या दूसरे अवसरों के नाम पर फंसाकर शोषण के मामलों का सामना करना पड़ रहा है। मई 2026 में सीबीआई ने भारतीय नागरिकों को आकर्षक नौकरियों का झांसा देकर दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों, विशेषकर म्यांमार और कंबोडिया स्थित साइबर अपराध परिसरों तक पहुंचाने वाले एक संगठित नेटवर्क की जांच शुरू की। तब भी पीड़ितों को वहां जबरन साइबर धोखाधड़ी में लगाए जाने की बात सामने आई थी। दरअसल, विदेशों में फंसी भारतीय महिलाओं की समस्या का आकार भी इस तथ्य से समझा जा सकता है कि विदेशी मंत्रालय के आंकड़ों में पिछले वर्षों के दौरान खाई देशों से भारतीय महिलाओं को सुरक्षित भारत वापस लाने के अनेक मामले दर्ज हैं। साल 2021 से 2025 के बीच अकेले कुवेत, ओमान, यूएई, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों से बड़ी संख्या में महिलाओं की सहायता, शिकायतों के समाधान या सुरक्षित वापसी के मामले दर्ज हुए।

वस्तुतः यहाँ कहना यही है कि मानव तस्करी का अर्थ सिर्फ किसी महिला को वेश्यावृत्ति में धकेलना नहीं है। जबरन श्रम, यौन शोषण, फर्जी विवाह, घरेलू बंधुआ श्रम, बच्चों की तस्करी और झूठे रोजगार के नाम पर विदेश भेजना इसके अलग-अलग रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के दक्षिण एशिया संबंधी आंकड़ों में महिलाओं और लड़कियों की बड़ी हिस्सेदारी मानव तस्करी के पहचाने गए पीड़ितों में सामने आती है।

एसआईआर: लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मतधिकार है। इसलिए मतदाता

सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण

- ललित गर्ग

प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और झूठे हुए मतदाताओं को वापस लाने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य

मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।

तमिलनाडु के रामानाथपुरम जिले के रामेश्वरम मंदिर : 22 तीर्थम में प्रायश्चित स्नान करते हैं भक्त

तमिलनाडु के रामानाथपुरम जिले के रामेश्वरम में रामेश्वर मंदिर स्थित है। रामेश्वरम मंदिर 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से 11वें नंबर पर आता है। रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम द्वीप पर बसा है। जो उत्तर भारत में काशी की मान्यता है, वही दक्षिण में रामेश्वरम की भी है। रामेश्वरम को दक्षिण भारत का काशी भी कहा जाता है। वहीं रामेश्वरम को रामनाथस्वामी मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर अपनी भव्य संरचना, जटिल मूर्तिकला, विशाल मीनारों और गलियारों के लिए जाना जाता है। वहीं मंदिर में पूजे जाने के भगवान लिंग के रूप में विराजमान हैं।

मंदिर में नंदी की भी बेहद विशाल मूर्ति मौजूद है, जोकि करीब 17.5 फीट ऊंची है। इस मंदिर में भगवान शिव के अलावा देवी विशालाक्षी, भगवान



विनायक, भगवान सुब्रह्मण्य, और परेरुलम शामिल हैं। बता दें कि यह पर्वतवर्धनी, उत्सव प्रतिमा, सायनागृह मंदिर भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित और

सीमा के आर-पार बेटियों की तस्करी का खेल!

अर्थ सिर्फ किसी महिला को वेश्यावृत्ति में धकेलना नहीं है। जबरन श्रम, यौन शोषण, फर्जी विवाह, घरेलू बंधुआ श्रम, बच्चों की तस्करी और झूठे रोजगार के नाम पर विदेश भेजना इसके अलग-अलग रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के दक्षिण एशिया संबंधी आंकड़ों में महिलाओं और लड़कियों की बड़ी हिस्सेदारी मानव तस्करी के पहचाने गए पीड़ितों में सामने आती है।

क देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा तक इंसान की आवाजाही सामान्य बात हो सकती है किंतु जब किसी युवती को दुर्गम रास्तों से चुपचाप सीमा पार कराकर दूसरे शहर में ले जाया जाए, उसके लिए पहले से विवाह तय हो और उसके पीछे बिचौलियों का संगठित नेटवर्क काम कर रहा हो, तब मामला मानव तस्करी की गंभीरता का हो जाता है। वस्तुतः ग्वालियर जीआरपी की हालिया कार्रवाई ने इसी भयावह पक्ष की ओर देश का ध्यान खींचा है।

क देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा तक इंसान की आवाजाही सामान्य बात हो सकती है किंतु जब किसी युवती को दुर्गम रास्तों से चुपचाप सीमा पार कराकर दूसरे शहर में ले जाया जाए, उसके लिए पहले से विवाह तय हो और उसके पीछे बिचौलियों का संगठित नेटवर्क काम कर रहा हो, तब मामला मानव तस्करी की गंभीरता का हो जाता है। वस्तुतः ग्वालियर जीआरपी की हालिया कार्रवाई ने इसी भयावह पक्ष की ओर देश का ध्यान खींचा है।

क देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा तक इंसान की आवाजाही सामान्य बात हो सकती है किंतु जब किसी युवती को दुर्गम रास्तों से चुपचाप सीमा पार कराकर दूसरे शहर में ले जाया जाए, उसके लिए पहले से विवाह तय हो और उसके पीछे बिचौलियों का संगठित नेटवर्क काम कर रहा हो, तब मामला मानव तस्करी की गंभीरता का हो जाता है। वस्तुतः ग्वालियर जीआरपी की हालिया कार्रवाई ने इसी भयावह पक्ष की ओर देश का ध्यान खींचा है।

भी ग्वालियर की घटना बताती है कि अपराधी रास्ते बदलते हैं, माध्यम बदलते हैं और अपनी गतिविधियों को वैध सामाजिक प्रक्रियाओं के भीतर छिपाने की कोशिश करते हैं, इसलिए सिर्फ सीमा पर निगरानी पर्याप्त नहीं है। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, किराये के मकान, सड़िध विवाह नेटवर्क, फर्जी दस्तावेज, ऑनलाइन संपर्क और धन के लेन-देन तक जांच पहुंचानी होगी।

यह उम्मीद करना कठिन लग सकता है कि भारत कभी पूरी तरह अपराध-मुक्त हो जाएगा। फिर भी विकसित भारत की कल्पना में ऐसी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जहां अपराधी को यह विश्वास रहे कि कानून उससे तेज गति से आगे बढ़ता है। ग्वालियर की कार्रवाई यही संदेश देती है। यदि ऐसी सक्रियता हर सड़िध तस्करी के मामले में दिखाई दे, यदि सूचना पर तत्काल कार्रवाई हो, यदि राज्यों के बीच पुलिस समन्वय मजबूत हो और सीमा पार नेटवर्क की कड़ियां भी एक साथ तोड़ी जाएं तो मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई कहीं अधिक प्रभावी हो सकती है। ऐसे में कहना यही है कि भारत की बेटी हो या किसी दूसरे देश की बेटी, अपराधी ये जान जाएं, उसका जीवन किसी अवैध नेटवर्क का माल नहीं है। ग्वालियर की चार युवतियों की बरामदगी में जिस तेजी से कार्रवाई हुई, यदि वही तत्परता हर ऐसे मामले में दिखाई देने लगे तो अपराधियों के लिए भारत में रास्ते लगातार संकरे होते जाएंगे। उम्मीद यही होनी चाहिए कि वह दिन आए जब मानव तस्करी जैसी संगठित अमानवीयता के लिए भारत में कोई सुरक्षित रास्ता शेष न रहे।

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कार्यदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये सीगैन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी सुर्यदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में डलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नगदर मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट ऑथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरूआत मात्र हैं।

स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचाना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बृथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है।

यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए-न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे।

भगवान भोलेनाथ की पूजा को समर्पित ज्योतिर्लिंग है। यह जगह भगवान विष्णु और महादेव के भक्तों के लिए बेहद खास मानी जाती है। वहीं रामेश्वर ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म में 4 प्रमुख स्थलों में भी शामिल है। मंदिर की वर्तमान संरचना का निर्माण 17वीं शताब्दी में भारत के राजाओं ने करवाया था। इसमें श्रीलंका के राजाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा था। माना जाता है कि भारत के सभी हिंदू मंदिरों की तुलना में रामेश्वरम मंदिर का गलियारा काफी ज्यादा लंबा है। वहीं इसके कुछ हिस्से हजारों साल पुराने बताए गए थे। लेकिन रामेश्वरम मंदिर का संबंध रामायण काल से है।

इस मंदिर से जुड़ी कथाओं और भारतीय महाकाव्य रामायण के मुताबिक

भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय हासिल करने के बाद प्रायश्चित के लिए महादेव की पूजा करने की सोचा। इसके लिए उन्होंने हनुमान को काशी से शिवलिंग लाने का अनुरोध किया।

जब हनुमान जी ने शिवलिंग को लाने में देरी की, तो माता सीता ने रेत से शिवलिंग बनाया, जिससे कि श्रीराम भगवान शिव की पूजा कर सकें। माना जाता है कि यह वहीं शिवलिंग है, जिसको रामलिंग के नाम से भी जाना जाता है। जो अब रामनाथस्वामी में पूजा जाता है। वहीं काशी से हनुमान जी द्वारा लाए गए शिवलिंग को विश्वलिंगम कहते हैं।

वहीं इस मंदिर के अंदर 22 तीर्थम यानी की पवित्र जल निकाय हैं, जहां पर भक्त अपने पापों के प्रायश्चित के लिए नहाते हैं।

न्यूज़ IN ब्रीफ

खेलो झारखंड राज्य स्तरीय अंडर 17 वर्ष वॉलीबॉल एवं फुटबॉल टीमें रांची रवाना



साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा 7-8 अक्टूबर को रांची के खेल गाँव होटवार में आयोजित होने वाली खेलो झारखंड राज्य स्तरीय अंडर 17 वॉलीबॉल एवं फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिले की टीम रांची के लिए रवाना हुई।

बालक वॉलीबॉल

अंकुश यादव ,रश प्रताप सिंह , अहद,अरबाज विक्रम कुमार ,मनीष यादव ,करण राय,विश्वजीत राय ,कृष्णा कुमार ,विक्रम सिंह हर्ष कुमार समेत अन्य

टीम मैनेजर कोच -आदित्य कुमार, नीतीश दास, प्रियंका कुमारी, सुजीत मलिकल, खुसिंद, संजय कुमार, चंदन कुमार ।

फुटबॉल बालक

मंगल हेंब्रम, राहुल मुर्मू, टोनल सोरेन, राएस अंसारी,मरकुस सोरेन, निमाई मुर्मू,बाबुजी हेंब्रम, सुना छोड़े, सामियल टुडू, मरांग हांसदा, सुमित बासकी, मुत्तसिल हांसदा, बड़का टुडू, ईसन किस्कु, सुशील हांसदा।

बालिका फुटबॉल

सोनौली हांसदा, मरियम मुर्मू, तलामय हेंब्रम, गड़े सोरेन, सैनुकता, निशा कुमारी, निशा कुमारी, मौनिका पहाड़िन, महिमा मुर्मू, अमृता बसकी, संजली सोरेन, छोटी पहाड़िन समेत अन्य।जिला टीम को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे, उपविकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक श्री संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, ए पी ओ शबनम तबस्सुम, खेल प्रशिक्षक योगेश यादव समेत जिले वासियों ने शुभकामना दी।

एफसीआई गोदाम के पास खड़ी स्कॉर्पियो चोरी, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा लोहांडा स्थित एफसीआई गोदाम के समीप खड़ी स्कॉर्पियो को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। घटना के बाद वाहन मालिक ने जिरवाबाड़ी थाना में शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।जानकारी के अनुसार बरहरवा निवासी चेतक प्रसाद साह बुधवार रात अपने रिश्तेदार के यहाँ बड़ा लोहांडा गये थे। उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो एफसीआई गोदाम के बगल में खड़ी की थी। रात के दौरान अज्ञात चोर वाहन लेकर फरार हो गये। सुबह वाहन नहीं मिलने पर उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी।चोरी हुई स्कॉर्पियो का वाहन नंबर जेएच 04एजी2765 और मॉडल एस 11 एमटीई7 एक्ससी बताया गया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि चोरी मामले में शिकायत मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांजा के साथ एक गिरफ्तार, 45,600 रुपये भी बरामद

साहिबगंज : राज्य के बाहर से साहिबगंज लाकर गांजा की खेप साहिबगंज मिजाचौकी पारपैती और भागलपुर में सप्लाई किए जाने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब आठ किलो गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा का अनुमानित मूल्य करीब दो लाख रुपये बताया गया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक को पिछले कुछ दिनों से जिले में बाहर से गांजा लाकर खपाने की सूचना मिल रही थी। इसके बाद एसपी के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। बुधवार को एसपी को सूचना मिली कि गांजा की खेप साहिबगंज पहुँचने वाली है। सूचना के आधार पर नगर थाना पुलिस की टीम ने नॉर्थ कॉलोनी कलिंगा के सामने वाली गली में छापेमारी की। इस दौरान मोटरसाइकिल से गांजा ले जा रहे मो. फिरोज अख्तर 38, पिता मो. मोफिल, निवासी छोटी कोदरजना, थाना मुफरसिल को पकड़ लिया गया तलाशी के दौरान सेलेोटैप से बंधे आठ बंडलों में करीब आठ किलो गांजा, 45,600 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

छापेमारी दल में शामिल: अंचलाधिकारी वासुकीनाथ टुडू, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, पुअनि प्रकाश रंजन सहित हवलदार मो. उमर इकबाल, आरक्षी संजीत कुमार यादव, मंडु कुमार यादव और विनोद टुडू शामिल थे।

पीएम श्री मॉडल विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर



साहिबगंज : जिले में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज जिला शिक्षा पदाधिकारी, साहिबगंज श्री नयन कुमार की अध्यक्षता में जिले के पीएम श्री विद्यालयों एवं मॉडल स्कूलों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लास व आईसीटी सुविधाओं, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, एपीएएआर आईडी निर्माण सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री नयन कुमार ने सभी विद्यालयों को पीएम श्री एवं मॉडल स्कूलों के निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्यालयों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार, अनुशासन, कोशल एवं नेतृत्व क्षमता का विकास सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए तकनीक आधारित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी करने पर बल दिया।बैठक के दौरान लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विद्यालयों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने तथा विद्यालय स्तर पर संचालित गतिविधियों का नियमित अनुश्रवण एवं प्रभावी क्रिया-न्ययन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री जयेंद्र मिश्र सहित जिले के पीएम श्री एवं मॉडल विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

चौक बाजार दुर्गा मंदिर में भव्य होगा दुर्गापूजा

दशकों पुरानी परंपराओं के साथ विशेष सजावट जागरण ढाक और झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के चौक बाजार स्थित श्री श्री दुर्गा मंदिर में इस वर्ष दुर्गापूजा को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही हैं।मंदिर में वर्तमान भवन के निर्माण से कई वर्षों पूर्व से मां दुर्गा की पूजा होती आ रही है।स्थानीय परंपरा के अनुसार पूजा की शुरुआत मछुआरा समुदाय द्वारा की गई थी। मंदिर निर्माण से पहले यहां बलि प्रथा भी प्रचलित थी,जो समय के साथ समाप्त हो गई।वर्तमान में मंदिर में बलि प्रथा नहीं होती है।बताया गया कि लगभग विक्रम संवत 2007 यानी वर्ष 1950-51 में शिवलाल-वसंतलाल परिवार के महत्वपूर्ण सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया गया था।यह परिवार शहर के विभिन्न सामाजिक,जनहित व धार्मिक कार्यों में योगदान के लिए जाना जाता रहा है।मंदिर की कई परंपराएं आज भी पीढ़ी-



दर-पीढ़ी कायम हैं।मां दुर्गा की प्रतिमा का पारंपरिक स्वरूप और आकार दशकों से लगभग एक जैसा रखा जाता है।वहीं,करीब 60-70 वर्षों से ब्रह्मपुर के एक बंगाली परिवार द्वारा मंदिर की साज-सज्जा का कार्य पीढ़ी-दर-

पीढ़ी किया जा रहा है।ढाक बजाने की परंपरा भी लंबे समय से एक ही परिवार द्वारा निभाई जा रही है।चौक बाजार दुर्गा मंदिर आसपास के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।स्थानीय जनमान्यता में इसे शक्तिपीठ के रूप

में भी श्रद्धा से माना जाता है।श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां के दरवार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना और मनोकामना पूरी होती है।इस वर्ष पूजा के दौरान भव्य पंडाल एवं आकर्षक विद्युत सजावट,विशेष भोग-प्रसाद,सप्तमी की

चार नई श्रम नियम लागू करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड मजदूर संघ ने दिया धरना



संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला कमिटी की ओर से बुधवार को साहिबगंज समाहणालय के समक्ष विभिन्न श्रमिक एवं जनहित की मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना संघ के महामंत्री इमाम विश्वास के नेतृत्व मे दिया गया।मंच संचालन रणधीर प्रसाद चौरसिया ने किया।धरना के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर चार नए श्रम नियमों को साहिबगंज सहित पूरे झारखंड में लागू कराने,खान एवं खनिज विभाग एवं विनियमन संशोधन विधेयक-2026 को वापस लेने,यूपीआई टैक्स वापस लेने तथा

रेलवे स्टेशन पर 99 लीटर देशी शराब बरामद

संवाददाता

साहिबगंज : अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बुधवार को आरपीएफ,सीआईबी मालदा एवं आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज की संयुक्त टीम ने ट्रेन संख्या 63431 साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर से 99 लीटर देशी शराब बरामद की।बर्कमद शराब की अनुमानित कीमत 29,700 रुपये बताई गई है।विश्वसनीय सूचना के आधार पर एएसआई रवि शंकर यादव, एएससी स्वप्न कुमार घोष एएसआई, रवींद्र कुमार तिवारी एवं अन्य आरपीएफ कर्मियों ने साहिबगंज से मिजाचौकी के बीच



ट्रेन में सघन जांच अभियान चलाया। करमटोला स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद कोच संख्या इआर 218207/ सी में शौचालय के समीप सीट के नीचे हरे और सफेद

रंग के दो लॉवारिस प्लास्टिक बोरे मिले।प्लात्रियों से पूछताछ करने पर किसी ने भी बोरेों पर अपना दावा नहीं किया।मिजाचौकी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या1 पर करीब

7:50 बजे ट्रेन पहुंचने के बाद दोनों बोरेों की नियमानुसार जांच की गई।हरे बोरे से 55 लीटर और सफेद बोरे से 44 लीटर देशी शराब बरामद हुई।कुल 99 बोतल में 99 लीटर शराब जन्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 29,700 रुपये है।जन्ती की कार्रवाई सुबह 8 बजे से 8:35 बजे के बीच उपलब्ध गवाहों की मौजूदगी में पूरी की गई। स्वतंत्र गवाह बनाने का प्रयास किया गया।किंकिन कोई व्यक्ति इसके लिए आगे नहीं आया।बरामद शराब और संबंधित दस्तावेजों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज की सौंप दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत साहिबगंज में निकली भव्य सेवा-ज्योति यात्रा

हजारों कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली में लिया हिस्सा सेवा और विकसित भारत का दिया संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज जिला के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को भव्य सेवा-ज्योति यात्रा एवं बाइक रैली निकाली गई।राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान एवं प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने किया।जिले के सभी 17 मंडलों से कार्यकर्ता बाइक रेली के माध्यम से जिला मुख्यालय पहुंचे,जहां रेलवे इंस्टीट्यूट में कार्यक्रम का एकत्रीकरण हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना और इसके बाद सेवा-ज्योति यात्रा के माध्यम से नगर का भ्रमण किया।कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री कृष्णा

संयोजक विष्णु जायसवाल की भी विशेष उपस्थिति रही।भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास का संदेश पहुंचाना है।भाजपा कार्यकर्ता सेवा को अपना

संकल्प मानकर लगातार जनता के बीच काम कर रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और कार्यकर्ता इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे हैं।जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि सेवा-

संथा भव्य जागरण,विशेष बैंड,पारंपरिक ढाक तथा धनबाद से विशेष झांकी मुख्य आकर्षण रहेगी।पुर्णिमा के अवसर पर भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसाद एवं भोज की व्यवस्था की जाएगी।अध्यक्ष जयप्रकाश सिन्हा ने कहा कि चौक बाजार दुर्गा मंदिर की पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि वर्षों पुरानी आस्था और प्रंपरा से जुड़ी हुई है।स्मिति का प्रयास है कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराते हुए पूजा को भव्य और यादगार बनाया जाए।आयोजन में समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिल रहा है।साचिव गोपाल चौखानी ने कहा कि पूजा की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं।परंपराओं को कायम रखते हुए इस बार पंडाल,विद्युत सजावट,जागरण और झांकी सहित कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में पूजा में शामिल होने की अपील की।पूजा समिति में अध्यक्ष जयप्रकाश सिन्हा,साचिव गोपाल चौखानी एवं कोषाध्यक्ष शुभम डोकानिया सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं।स्मिति ने बताया कि पूजा आयोजन में समाज के लोगों का तन-मन-धन से सहयोग मिल रहा है

नगर परिषद जनप्रतिनिधियों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर व रोगमुक्त बनाने के सीखे गुर



संवाददाता

साहिबगंज : स्वच्छ भारत मिशन की ओर से बुधवार को शहर के टाउन हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसका विधिवत उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान,कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित करके किया।वहीं कार्यशाला में एसडब्ल्यूएम रुल 2026 के विषय में नगर परिषद के सभी 28 वार्ड पार्षदों और नगर परिषद कर्मियों को जानकारी दी गई। रांची से एसबीएम की आइ टीम ने बताया कि कैसे पर्यावरण सुरक्षा,

आम जन ओर जनप्रतिनिधि के सहयोग से शहर को स्वच्छ सुंदर रोगमुक्त बनाना है।एसडब्ल्यूएम रुल के तहत अब नीला,हरा,लाल और काला डस्टबिन में गिला सूखा कचरा के साथ सेनेटरी पैड का अलग से रखकर उसका निष्पादन किया जाएगा।किस रंग के डब्बा में कौन सा कचरा जाएगा इसकी जानकारी दी गई।जनप्रतिनिधि को अपने वार्ड और क्षेत्र में विकास कार्य करने सहित उनकी शक्ति बताई गई।डीसी को जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमिटी का अध्यक्ष बनाया गया है।कचरा वेस्ट मैनेजमेंट का

निबटारा करने, एसडब्ल्यूएम रुल 2026 के बारे में विस्तार से बताया ओर इसका अनुपालन करने के बारे में बताया। वहीं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।मौके पर उपाध्यक्ष विनीता देवी,सिटी मैनेजर रवि कुमार,वार्ड पार्षद रिफ्त प्रवीण,दीपा देवी,बुशरा तहरीम,शेखर पासवान, अमृता कुमारी, अब्दुल बारीक,अमित गुप्ता,सुशील भरतीया,आरती कुमारी अंजली कुमारी,चमरू उरांव,रंजीत साह,पार्वती उरांव,संजू देवी,हिना प्रवीण,बेबी खातून,मनीज,पिव हरि सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बेकाबू स्कॉर्पियों राहगीरों व वाहनों को रौंदा मची अफरा-तफरी

साहिबगंज/पटना : रांगा थाना क्षेत्र के केटुआ बिशनपुर चौक में बुधवार की शाम को अचानक नशे में धुत चालक ने काले रंग की स्कॉर्पियो पंजीकरण संख्या जेएच 15ए 05288 से सड़क किनारे खड़े लोगों व वाहनों की तेज रफ्तार में रौंद दिया।इस हादसे में बिशनपुर निवासी 79 वर्षीय मौलवी महासेन 56 वर्षीय मोहम्मद मननाम अली सहित कई राहगीर और दुकानदार घायल हो गए। जिसमें एक कि कमर टूटने और एक के पैर टूटने ने रोकने का प्रयास किया।इसाथ ही दर्शन भर बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गईं।लोगों ने रोकने का प्रयास किया परन्तु चालक तेज रफ्तार में भागने लगे।आक्रांशित करीब लगभग 10 से 20 लोगों ने स्कॉर्पियो का पीछा किया। प्रमीणों को पीछा करते देख चालक और तेज गति से भागने लगा। जबकि पटना चौक के पास चाय दुकान के समीप भी आधा दर्जन बाइक और लोगों को टक्कर मार दी। परंतु पतना चौक में जमप होने के कारण चालक भाग नहीं सका और धर दबोचा गया।जहां लोगो ने नशे में धुत वाहन चालक की जमकर धुमाई कर दी।वाहन चालक की पहचान उधवा निवासी सुमन दास पिता-डॉ भरत दास के रूप में हुई है,जो फिलहाल घायल बताया जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार वाहन हिरणपुर की ओर से ब्रह्मरवा की ओर आ रही थी जिस दौरान जगह जगह कई बार घटना को अंजाम दे चुका है।

ज्योति यात्रा भाजपा के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक है।साहिबगंज के सभी 17 मंडलों से कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने साबित किया है कि संगठन जमीनी स्तर पर पूरी मजबूती के साथ सक्रिय है।सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला टोली के संयोजक धनंजय मंडल, सह-संयोजक चंदन शर्मा, अजय चौधरी,लालन राय एवं चान्दनी देवी सहित जिला टोली के सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृपानाथ मंडल, रामानंद साह,धर्मेन्द्र कुमार,मंडल मुर्मू, पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह,प्रदीप अग्रवाल,उज्जवल मंडल,अनुराग राहुल सहित जिला पदाधिकारी, सभी 17 मंडलों के अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के जिला एवं मंडल पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।



अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने की मदद: दिव्या दत्ता



हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने अपने को-एक्टर मनोज बाजपेयी और निर्देशक बेन रेखी के साथ मुंबई में बातचीत की। दिव्या दत्ता ने आईएनएस से कहा, "सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूं और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी,

वामिका गब्बी के पिता का था अनोखा सपना

लोकप्रिय अभिनेत्री वामिका गब्बी ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर अपनी जिंदगी से जुड़ा एक बेहद प्यारा किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि उनके पिता हमेशा से उनके करियर को लेकर बहुत उत्साहित रहे हैं। वह उनकी हर छोटी-बड़ी कामयाबी को फोटो और वीडियो में रिकॉर्ड करते थे। लेकिन, उनके पिता के लिए बेटी की सफलता का पैमाना थोड़ा अलग था। उनका मानना था कि जिस दिन अमिताभ बच्चन खुद वामिका को अपने घर लंच पर बुलाएंगे, उस दिन वह मानेंगे कि उनकी बेटी सच में सफल हो गई है। शो के दौरान वामिका ने बताया कि पिता की इस बात का जिक्र उन्होंने एक बार अमिताभ बच्चन को चिट्ठी लिखते हुए भी किया था। वामिका ने अमिताभ बच्चन से मजाकिया अंदाज में कहा, "मैंने आपको लेटर में बड़ी चालाकी से लिख दिया था कि मेरे पापा ने कहा है कि एक दिन हमें उनके घर लंच करना है और शायद वह दिन भी आएगा। मुझे लगा कि शायद यह बात पढ़कर आप हमें लंच के लिए इनवाइट करेंगे। लेटर में यह बात लिखना थोड़ी 'बेशर्मी' थी, लेकिन मैं अपने पापा की इस इच्छा को पूरा होते देखना चाहती थी। वामिका ने बताया कि लेटर का अमिताभ बच्चन की ओर से जवाब भी आया था। उन्होंने कहा, "जब आपका लेटर पढ़ा तो आपने बहुत खूबसूरत तरीके से धन्यवाद लिखा हुआ था, लेकिन उस चिट्ठी में लंच का कोई न्योता नहीं था।"



फुकरे 3 के 3 साल:

पुलकित के हनी और उस धमाल को फिर से याद करने का वक्त जिसने...

फ्रेंचाइजी को बनाया फैन फेवरेट

तीन साल पहले 'फुकरे 3' ने हनी, चूचा, लाली और पंडित जी की उस पसंदीदा गैंग को एक बार फिर दर्शकों के सामने पेश किया था, जिसे लोग लंबे समय से प्यार करते आए हैं। फिल्म में पुलकित सम्राट ने एक बार फिर हनी का किरदार निभाया और अपने दोस्तों के साथ एक और मजेदार, अराजक और हंसी से भरपूर सफर पर निकल पड़े। 2023 में रिलीज हुई इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजियों में से एक की विरासत को आगे बढ़ाया और दर्शकों को इन किरदारों के नए कारनामों से रूबरू कराया। फिल्म के केंद्र में फुकरों की वही बेहतरीन दोस्ती थी, जिसने इस फ्रेंचाइजी को खास बनाया है। पुलकित का हनी एक बार फिर गैंग का दिमाग बनकर उभरा, जो चूचा के अजीबोगरीब विज्ञप्ति, लाली के व्यावहारिक नजरिए और पंडित जी की हर चीज को समझने की कोशिशों के बीच संतुलन बनाता नजर आया। 'फुकरे 3' को खास बनाने वाली बात यह थी कि इसने पिछली फिल्मों की मस्ती और बेफिक्र अंदाज को बरकरार रखते हुए किरदारों को पहले से भी ज्यादा अनोखी और हास्यस्पद परिस्थितियों में पहुंचाया। फिल्म में कॉमेडी, दोस्ती, अफरा-तफरी और फुकरे स्टाइल के जुगाड़ का बेहतरीन मेल देखने को मिला, वहीं पुलकित सम्राट ने हनी के किरदार में अपने खास आकर्षण और शानदार कॉमिक टाइमिंग से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीता। तीन साल बाद भी 'फुकरे 3' फ्रेंचाइजी के सफर का एक यादगार अध्याय बनी हुई है। इसके किरदार और उनकी अनोखी दीवानीगी आज भी दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं और लोगों को हंसाने का काम कर रही हैं। फिल्म के तीन साल पूरे होने के इस मौके पर उन सभी हंसी-मजाक, अफरा-तफरी और यादगार फुकरा पलों को फिर से याद करना बनता है। और इन सबके केंद्र में आज भी पुलकित सम्राट का हनी उतना ही खास और यादगार बना हुआ है।



नाना पाटेकर का आखिरी वीडियो...

निधन से कुछ दिन पहले गणपति पूजा करते आए थे नजर, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार, 8 अक्टूबर को 75 वर्ष की आयु में गोवा स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा (कार्डियक अरेस्ट) पड़ने से निधन हो गया। उनके अचानक चले जाने से पूरे देश में शोक की लहर है। इस बीच सोशल मीडिया पर नाना पाटेकर का आखिरी वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे हाल ही में आयोजित गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान भक्तिभाव से गणपति पूजा करते दिखाई दे रहे हैं।

गणपति पूजा करते दिखे नाना पाटेकर

सामने आए इस भावुक कर देने वाले आखिरी वीडियो में नाना पाटेकर गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में बप्पा की पूजा-अर्चना करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में उनके साथ पंडित जी मौजूद हैं, जो उन्हें विधि-विधान से पूजा संपन्न करा रहे हैं। इसके अलावा, गोवा में उनकी आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर की याद में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में दर्ज की गई थी। मुंबई और पुणे के अलावा नाना पाटेकर को गोवा से भी गहरा लगाव था और वे अक्सर वहां समय बिताते थे।

नाना पाटेकर की आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति गोवा में नाना पाटेकर का आखिरी कार्यक्रम पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर की याद में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। गोवा से उनका गहरा जुड़ाव था और वे मुंबई और पुणे के अलावा वहां भी समय बिताते थे।

नाना पाटेकर की मौत कैसे हुई?

मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के



नाना पाटेकर का शानदार फिल्मी सफर

नाना पाटेकर का करियर कई दशकों तक हिंदी और मराठी सिनेमा में फैला रहा। उन्होंने 1978 की झमा फिल्म 'गमन' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने 'क्रांतिवीर', 'अंगार', 'वेलकम', 'अ वेडेनेस' और 'राजनीति' जैसी कई लोकप्रिय और प्रशंसित फिल्मों में काम किया। सालों तक पाटेकर को उनके काम के लिए कई सम्मान मिले। उन्हें मिले सम्मानों में नेशनल फ़िल्म अवॉर्ड, फ़िल्मफेयर अवॉर्ड, महाराष्ट्र स्टेट फ़िल्म अवॉर्ड और बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अवॉर्ड्स शामिल थे।

प्रमुख डॉ. शेखर सालकर के अनुसार, अभिनेता की मौत सुबह 5:20 बजे गंभीर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) के कारण हुई। डॉक्टरों ने 45 मिनट तक लगातार CPR देकर उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉ. सालकर ने कहा, 45 मिनट तक लगातार CPR देने के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। अभिनेता की मौत के बाद एक मेडिको-लीगल मामला दर्ज किया गया है। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

शिखर धवन ने नाना पाटेकर के निधन पर जताया शोक, कहा-भारतीय सिनेमा ने खोई एक बेहद खास प्रतिभा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गुरुवार को दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। धवन ने उन्हें भारतीय सिनेमा की बेहद खास प्रतिभा बताते हुए कहा कि उनका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

धवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास प्रतिभा खो दी है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ॐ शांति।' नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5:20 बजे उनके आवास पर हृदयाघात के बाद निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। नाना पाटेकर हिंदी और मराठी



सिनेमा के प्रमुख अभिनेताओं में शामिल थे। उन्होंने 1978 में आई फिल्म 'गमन' से अभिनय की शुरुआत की और 'परिदा', 'प्रहार', 'अंगार', 'क्रांतिवीर', 'तिरंगा', 'खामोशी' और 'अब तक छप्पन' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई। अपने करियर के अंतिम दौर में भी नाना पाटेकर लगातार विभिन्न फिल्मों में नजर आते रहे। वह अक्षय कुमार, अभिषेक

बच्चन और रितेश देशमुख अभिनीत 'हाउसफुल 5' का भी हिस्सा थे। नाना पाटेकर ने विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ'शिमियो' में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जिसमें शाहिद कपूर और तुष्टि डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके अलावा वह अनिल कपूर और राधिका मदान अभिनीत 'सूबेदार' में भी विशेष भूमिका में नजर आए थे।

शाहरुख का गुरुमंत्र आज भी मानते हैं अभिषेक

अभिनेता अभिषेक बच्चन के अभिनय करियर में शाहरुख खान की सलाह का खास महत्व रहा है। फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले अभिषेक ने शाहरुख से उनकी पसंदीदा फिल्म के बारे में पूछा था। तब शाहरुख ने उन्हें सलाह दी थी कि कलाकार को उसी काम से प्यार करना चाहिए, जो वह उस समय कर रहा है। अभिषेक के मुताबिक, शाहरुख की यह बात आज भी उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है और वह अपने वर्तमान काम पर पूरा ध्यान देने की कोशिश करते हैं।

बड़े भाई जैसे रहे शाहरुख

'किंग' की रिलीज से पहले दिए एक साक्षात्कार में अभिषेक ने अपने बचपन की यादें भी शेयर कीं। उन्होंने बताया कि रविवार के दिन वह निमार्ता आदित्य चोपड़ा के घर पर दोस्तों के साथ क्रिकेट खेला करते थे। उदय चोपड़ा, ऋतिक रोशन और सिकंदर खेर उनके साथ खेलते थे। उस दौरान शाहरुख खान भी वहां मौजूद रहते थे और अभिषेक के मुताबिक, वह पूरे समूह के लिए बड़े भाई जैसे बन गए थे। अभिषेक ने कहा कि शाहरुख हमेशा उनके करीब रहे और उनके करियर में कई मौकों पर उनका समर्थन करते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख ने कई अवसरों पर उनके करियर की व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी

उठाई है, जिसमें 'किंग' भी शामिल है।

'किंग' पर पूरा ध्यान दे रहे अभिषेक

शाहरुख की उस पुरानी सीख को याद करते हुए अभिषेक ने कहा कि अतीत में किए गए काम पर ध्यान देने के बजाय वर्तमान काम से प्यार करना ज्यादा जरूरी है। इसी सोच के साथ वह इस समय पूरी तरह 'किंग' पर ध्यान दे रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में शाहरुख खान, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी और करीना कपूर नजर आएंगी। यह सुहाना खान की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली फिल्म होगी। अभिषेक हाल ही में 'कालीधर लापता' में नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से सराहना मिली थी।



नाइट राइडर्स डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में अपने अभियान का आगाज 22 नवंबर से करेगा

दुबई। अबू धाबी नाइट राइडर्स (एडीकेआर) आगामी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में अपने अभियान की शुरुआत 22 नवंबर को दुबई कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

एडीकेआर और दुबई कैपिटल्स के बीच मुकाबला 22 नवंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह हफ्तापूर सेंडेह के डबल हेडर का दूसरा मैच होगा और शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसके बाद नाइट राइडर्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर वापसी करेगी। उसका अबू धाबी में पहला मुकाबला 26 नवंबर को एमआई एमिरेट्स के खिलाफ होगा। यह मैच जायेंद क्रिकेट स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा। अबू धाबी नाइट राइडर्स ग्रुप चरण में कुल 10 मुकाबले खेलेगी, जिनमें से छह मैच जायेंद क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। घरेलू मैदान पर होने वाले इन मुकाबलों से टीम को अपने प्रशंसकों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। सीजन के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आईएलटी-20 के पांचवें संस्करण को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अबू धाबी नाइट राइडर्स की नजर इस बार मजबूत शुरुआत करने और ग्रुप चरण में बेहतर प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ने पर होगी।



नाना पाटेकर के निधन पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कप्तान रहाणे ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भारतीय क्रिकेट जगत से भी श्रद्धांजलियों का सिलसिला जारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने अभिनेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उनके अभिनय तथा सामाजिक कार्यों को याद किया। राजीव शुक्ला ने नाना पाटेकर को बेहद संवेदनशील इंसान बताते हुए कहा कि उनके शानदार अभिनय, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। राजीव शुक्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दिग्गज अभिनेता और बेहद संवेदनशील इंसान श्री नाना पाटेकर की के निधन से गहरा दुख हुआ। उनके शानदार अभिनय कौशल, बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। फिल्मों की दुनिया से परे, समाज सेवा के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण और लोगों के जीवन को बदलने के उनके प्रयासों ने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करे। उनके परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने नाना पाटेकर को बेहद शानदार अभिनेता बताते हुए कहा कि उनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी वास्तव में एक बेहद शानदार अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और मनोरंजन किया। उनके निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।



मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुंबई में प्रमुख उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

- निवेश अवसरों को उद्योगों की जरूरत से जोड़कर रोजगार के नए अवसरों पर रहेगा फोकस

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (गुरुवार) को मुंबई में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी बबिता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल में जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से पहले होने वाले इस संवाद में मध्य प्रदेश में विकसित किए जा रहे विभिन्न सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्रों और उनमें उपलब्ध निवेश अवसरों को संबंधित उद्योग समूहों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी करेंगे। उन्होंने बताया कि मुंबई में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल्स, केमिकल्स और उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों से जुड़े बड़े उद्योग समूह हैं। मध्य प्रदेश इन क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को संबंधित कंपनियों तक पहुंचा रहा है, ताकि प्रदेश में विकसित



किए जा रहे औद्योगिक अवसरों को उद्योगों की जरूरत और उनकी विस्तार योजनाओं से जोड़ा जा सके।

विशेष क्षेत्रों में निवेश के अवसर

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुंबई संवाद में ग्वालियर के टेलीकॉम निवेश के अलावा, नर्मदापुरम में रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण, धार में टेक्सटाइल और गारमेंट तथा उज्जैन में मेडिकल डिवाइसेज और हेल्थकेयर मैनुफैक्चरिंग जून, नर्मदापुरम के बाबई मोहासा रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैनुफैक्चरिंग जून, धार के पीएम मित्र पार्क और उज्जैन के मेडिकल डिवाइसेज पार्क को प्रमुखता से सामने रखा जाएगा। ये परियोजनाएं

अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार तैयार किए जा रहे विशेष औद्योगिक क्षेत्रों का हिस्सा हैं। ग्वालियर में टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग, नर्मदापुरम में रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण, धार में टेक्सटाइल और गारमेंट तथा उज्जैन में मेडिकल डिवाइसेज और हेल्थकेयर मैनुफैक्चरिंग से जुड़े उद्योगों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। इन क्षेत्रों में निवेश से संबंधित उद्योगों के साथ सहायक इकाइयों और स्थानीय सप्लायर चैन के विकास की संभावनाएं भी बनेंगी।

निवेश के साथ रोजगार पर जोर

मध्य प्रदेश सरकार का जोर ऐसे निवेश पर है, जिससे प्रदेश में उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ें। बड़ी औद्योगिक इकाइयों के साथ उनके सप्लायर, सहायक उद्योग, लॉजिस्टिक्स और दूसरी सेवाओं का काम भी बढ़ता है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसर और युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बनती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। इन बैठकों में कंपनियों की निवेश और विस्तार योजनाओं के साथ उनकी जरूरतों को भी समझा जाएगा। भूमि, बिजली, लॉजिस्टिक्स, कुशल मानव संसाधन, सप्लाय चैन, अनुमतियों और नीतिगत सहयोग जैसे विषयों पर सीधे चर्चा होगी। उद्योगपतियों से मिलने वाले सुझावों के आधार पर प्रदेश की निवेश सुविधा व्यवस्था को उनकी जरूरतों के अनुरूप और बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। सरकार के लिए यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने वाली कंपनियों को किस तरह की सुविधाओं और सहयोग की आवश्यकता है।

फार्मा और मेडिकल डिवाइसेज क्षेत्र पर विशेष चर्चा

मुंबई कार्यक्रम में फार्मास्युटिकल क्षेत्र के

साथ केंद्रित राउंडटेबल मीटिंग भी होगी। इसमें मध्य प्रदेश के फार्मा और हेल्थकेयर मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। उज्जैन के मेडिकल डिवाइसेज पार्क से संबंधित प्रेजेंटेशन भी उद्योग प्रतिनिधियों के दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में विशेष क्षेत्र के अनुरूप औद्योगिक अधोसंरचना तैयार करने का उद्देश्य संबंधित उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इससे निवेशकों को अपने क्षेत्र के अनुसार औद्योगिक आधार मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों और रोजगार के अवसर विकसित होने की संभावना रहेगी।

उद्योगों के साथ सीधे संपर्क का विस्तार

मध्य प्रदेश सरकार ने जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के साथ देश और विदेश के प्रमुख उद्योग समूहों से सीधा संपर्क बढ़ाया है। क्षेत्रीय उद्योग सम्लेनों के बाद अब देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में जाकर संबंधित उद्योगों से बातचीत की जा रही है। मुंबई में भारत स्थित विदेशी मिशनों के साथ भी संवाद होगा। इसके माध्यम से मध्य प्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों को अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी नेटवर्क तक पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को प्रदेश के क्षेत्र विशेष के अवसरों से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों से मध्य प्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों और उनकी जरूरतों पर सीधे चर्चा करेंगे।

पश्चिम बंगाल में बदला मौसम, कई जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मौसम का मिजाज बदल गया है। कोलकाता समेत उत्तर और उत्तर दक्षिण बंगाल के कई जिलों में गुरुवार को गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई इलाकों में वज्रपात को लेकर भी सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह के समय कई इलाकों में बादल और धूप के बीच मौसम रहा। हालांकि दोपहर के बाद आसमान में बादल छाने और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान हवा की गति 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

दक्षिण बंगाल में कोलकाता, हावड़ा, हुगली और उत्तर तथा दक्षिण 24 परगना के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। बांकुड़ा, विष्णुपुर, और पूर्व एवं पश्चिम मेदिनीपुर में भी आसमान में बादल छाए हुए हैं। इन इलाकों



में अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। हवा में आद्रता अधिक रहने के कारण उमस भी महसूस हो सकती है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और जलपाईगुड़ी सहित उप-हिमालयी जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश के दौरान वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। आंधी और बिजली चमकने के समय खुले मैदान, बड़े पेड़ और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने को कहा गया है। निचले इलाकों में तेज बारिश के कारण कुछ समय के लिए जलभराव की स्थिति भी बन सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स स्प्यूचर्स भी आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। ग्लोबल बॉन्ड मार्केट के दबाव और ट्रेजरी यील्ड बढ़ने की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। माना जा रहा है की लंबी अवधि की ट्रेजरी यील्ड में फिर से बढ़ोतरी शुरू हो जाने के कारण अमेरिका में महंगाई और बढ़ते कर्ज को लेकर चिंता का माहौल बना हुआ है, जिसकी वजह से निवेशक पिछले सत्र के दौरान सतर्क होकर कारोबार करते हुए नजर आए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 341.11 अंक यानी 0.66 प्रतिशत गिर कर 51,180.17 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500



इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत टूट कर 7,801.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.22 प्रतिशत फिसल कर 27,538.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स स्पूचर्स आज फिलहाल 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,119.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 83.19 अंक यानी 0.80 प्रतिशत लुढ़क कर 10,458.50 अंक के स्तर पर बंद

हुआ। इसी तरह सीएसई इंडेक्स ने 95.86 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,769.21 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएफएस इंडेक्स 344.83 अंक यानी 1.37 प्रतिशत टूट कर 25,104.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक आज गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,505.50 अंक के स्तर पर



अस्पताल संगठनों के अनुसार, प्रस्तावित दिल्ली कूच में करीब 1000 एम्बुलेंस शामिल करने की तैयारी है। सभी एम्बुलेंस एक साथ रवाना नहीं होंगी, बल्कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों से अलग-अलग समय पर विभिन्न जर्थों में चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

अस्पताल संचालक यूनियन (यूपीएचडी) के उपाध्यक्ष डॉ. धनंजय मिश्रा ने बताया कि अस्पताल गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा के मानकों के पूरी तरह पक्षधर हैं, लेकिन एनएबीएच को जबरन अनिवार्य करना छोटे एवं मध्यम अस्पतालों पर भारी आर्थिक और प्रशासनिक बोझ

डाल रहा है। एनएबीएच को अनिवार्य करने के बजाय स्वेच्छिक एवं प्रोत्साहन आधारित बनाया जाए। गुणवत्ता के मानक अस्पतालों के आकार, क्षमता और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप व्यावहारिक होने चाहिए। ऐसी व्यवस्था नहीं बननी चाहिए जिससे छोटे और मध्यम अस्पतालों के लिए आयुष्मान योजना में बने रहना ही मुश्किल हो जाए।

एडवायजरी चेयरमैन डॉ. जीशान अहमद ने कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत लंबे समय से भुगतान अटकने के कारण छोटे और मध्यम निजी अस्पताल गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने

नेपाल में अमेरिकी परियोजना एमसीसी कॉन्फैक्ट की अवधि एक साल बढ़ेगी

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल वित्त मंत्रालय के अनुसार, नेपाल और अमेरिका के बीच मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन कॉम्पैक्ट के कार्यान्वयन की अवधि को अधिकतम एक वर्ष बढ़ाने को लेकर सहमति करीब पहुंच गई है।

सूत्रों के अनुसार, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद विदेशी सहायता की समीक्षा के कारण एमसीसी से वित्तपोषित परियोजनाओं का काम कई महीनों तक प्रभावित रहा। इसके अलावा, त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण भी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। इन्हीं कारणों से अवधि बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। एमसीसी कॉम्पैक्ट के तहत परियोजनाओं को आम तौर पर संचयन के लागू होने की तारीख से पांच वर्ष के भीतर पूरा करना होता है। नेपाल का एमसीसी कॉम्पैक्ट 30 अगस्त 2023 को लागू हुआ था। इसके अनुसार परियोजनाएं अगस्त 2028 तक पूरी होनी हैं। मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित विस्तार हानो-कॉस्ट एक्सटेंशनह्द होगा। यानी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन इसके लिए परियोजना की

कहा कि पोर्टल-1, पोर्टल-2, सीपीडी रिजेक्ट क्लेम, ट्रिगर, ऑर्थेंटिकेशन और अन्य प्रक्रियागत कारणों से अटके वैध दावों का तत्काल भुगतान होना चाहिए। अस्पताल मरीजों का इलाज करके अपनी तरफ से खर्च कर चुके हैं। महीनों तक उनका पैसा रोककर अस्पतालों से निर्बाध सेवाएं जारी रखने की अपेक्षा व्यावहारिक नहीं है। पुराने सभी वैध बकाया का तत्काल निपटारा हो और भविष्य के प्रत्येक भुगतान के लिए निश्चित समय-सीमा एवं जवाबदेही तय की जाए।

अस्पताल संगठनों का कहना है कि मरीज के उपचार से पहले बीमारी, प्रस्तावित उपचार और पैकेज के आधार पर प्री-ऑथराइजेशन लिया जाता है। इसके बाद अस्पताल अपने संसाधनों और खर्च पर मरीज का उपचार करता है। ऐसे में इलाज पूरा होने के बाद बिना ठोस कारण वैध क्लेम को रिजेक्ट अथवा बड़ी राशि की कटौती करना अस्पतालों के लिए गंभीर आर्थिक संकट पैदा करता है।



कुल लागत नहीं बढ़ाई जाएगी। इस मुद्दे पर वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान भी चर्चा हुई। उन्होंने एमसीसी के कार्यवाहक उपाध्यक्ष जेसन स्मॉल से मुलाकात की थी। मंत्रालय के सूत्र के अनुसार, दोनों पक्ष इस बात पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए कि जरूरत पड़ने पर अवधि बढ़ाकर भी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया जाना चाहिए। मिलेनियम चैलेंज अकाउंट नेपाल पहले ही वित्त मंत्रालय के समक्ष अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव पेश कर चुका है। अब वित्त मंत्रालय को यह प्रस्ताव मंत्रिपरिषद के समक्ष ले जाना होगा। इसके बाद नेपाल सरकार औपचारिक रूप से अपना निर्णय एमसीसी को भेजेगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, एमसीसी वॉट दिस्ंबर में होने वाली अपनी बैठक में नेपाल के अनुरोध पर विचार कर सकता है। हालांकि, वित्त मंत्रालय ने अभी तक अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव मंत्रिपरिषद में पेश नहीं किया है।

ट्रैफिक प्रॉब्लम से बचा सकती है क्वांटम तकनीक, यूपीएसआईएफएस में छात्रों ने प्रस्तुत किए प्रेजेंटेशन

लखनऊ : प्रदेश की तकनीक आधारित फॉरेंसिक शिक्षा को योगी सरकार लगातार बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) लखनऊ में बुधवार को क्वांटम टेक्नोलॉजी पर स्ट्रेज प्रेजेंटेशन आयोजित किया गया। इसमें संस्थान के लॉ, वीटैक और एमटेक के छात्र-छात्राओं ने भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखी और विशेषज्ञों से नई तकनीक की बारीकियां सीखीं। छात्र-छात्राओं के समूहों ने हाइड्रक्वरी एवं क्वांटम कंप्यूटिंग के माध्यम से यातायात समस्या का समाधानह्द विषय पर विषय विशेषज्ञ डॉ. पवन शर्मा और हेराल्ड डी कोस्टा के समक्ष प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण के दृष्टिगत वाहनों का आइडल टाइम कम करके सीओ२ (उड2) उत्सर्जन और ईंधन की खपत घटाने तथा ग्रीन मॉबिलिटी को बढ़ावा देने के विषय पर भी प्रकाश डाला। सुरक्षा और रियल-टाइम स्पीड के लिए छछर 1.3 एफ़िक़ेशन और रूद्धप्रानियमों के साथ डाटा सुरक्षित रखते हुए सेकंडों में सटीक रूट तय करने की प्रक्रिया भी प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही फॉरेंसिक व इमरजेंसी लॉजिस्टिक्स के तहत भविष्य में पुबुलेंस, पुलिस और फॉरेंसिक सेवाओं के लिए प्राथमिकता वाले ट्रैफ़िक रूट तैयार करने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। विषय विशेषज्ञ और आईटी एक्सपर्ट (यूपएस) डॉ. पवन शर्मा ने कहा कि संस्थान की ओर से छात्र-छात्राओं को जो तकनीकी माहौल दिया जा रहा है, वह काबिले तारीफ़ है। छात्र-छात्राओं ने टेक्नोलॉजी विषय पर अपनी अद्भुत पकड़ बनाई है और आज के प्रेजेंटेशन में उनकी दक्षता प्रदर्शित हो रही है। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप तकनीक आधारित फॉरेंसिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस तरह के कार्यक्रम से युवा पीढ़ी का ज्ञानवर्धन होता है तथा बच्चे दुनिया में होने वाले तकनीकी प्रयोगों (क्वांटम टेक्नोलॉजी लॉ वित् तैब) से रूबरू होते हैं। उन्होंने विषय विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुतियों के लिए टीमाों की सराहना की। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि इन प्रयोगों के माध्यम से क्वांटम विक्स बनेगी, जो फॉरेंसिक साइंस एंड एप्लीकेशन (क्वांटम क्रिटोग्राफी) में प्रभावशाली होगी। उन्होंने तकनीक के लाभ और भविष्य के लक्ष्य तथा हार्द्रेफ़िक कंपोज़नह्द जैसी गंभीर समस्या के समाधान के विषय पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्थान क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रणी होकर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में अपर निदेशक राजीव सुसन, उप निदेशक चिरंजीव मुखर्जी, अतुल यादव, डॉ. निमिशा, डॉ. सौरभ शिवासुभ्रमण्यम सहित जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी आदि उपस्थित रहे।

भाजपा का कार्यकर्ता सेवा को अपने राजनीतिक जीवन का आधार मानकर काम करता है : विनोद तावड़े



अयोध्या : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को सहादतगंज स्थित फॉरएवर लॉन से सेवा ज्योति पद यात्रा निकाली गई। यात्रा से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने लाइव प्रसारण के माध्यम से श्रवण किया। इसके बाद सेवा ज्योति प्रज्वलित कर यात्रा का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा रामपथ स्थित गरुड़ द्वार तक जाएगी। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया और यात्रा के जरिए सेवा, जनकल्याण एवं सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। प्रधानमंत्री के उद्बोधन का लाइव प्रसारण होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की सेवा का माध्यम है। भाजपा का कार्यकर्ता सेवा को अपने राजनीतिक जीवन का आधार मानकर काम करता है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य भी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर जरूरतमंदों की सहायता करना और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाना है। क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि महानगर में किसी प्रमुख चौराहे का नाम हासेवा ज्योति चौराहह्द रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह चौराहा सेवा, समर्पण और समाज के प्रति दायित्व की भावना का प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री एवं महानगर प्रभारी शिव भूषण सिंह, विधान परिषद सदस्य एवं जिला प्रभारी अनूप गुप्ता, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक रामचंद्र यादव, अमित सिंह ब्रह्मान, चंभभान पासवान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिवेदी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, डेड प्रताप तिवारी खबू, धर्मंद प्रताप सिंह टिटनू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुम्हारों के चाक ने पकड़ी रफ्तार, मिट्टी में अब भी जिंदा है पुरखों की कला

बलरामपुर : नगरात्र और दीपावली की आहट के साथ रामानुजगंज में कुम्हारों के घरों में चाक की रफ्तार बढ़ गई है। आज गुरुवार को जहां बाजारों में त्योहारों की तैयारियां तेज हो रही हैं, वहीं कुम्हार परिवार मिट्टी को आकार देकर दीये,



कलश, ढक्कन और चुकला तैयार करने में जुटे हैं। बदलते दौर में प्लास्टिक और आधुनिक सामानों ने मिट्टी के कई उत्पादों की जगह भले ही ले ली हो, लेकिन त्योहारों में मिट्टी के दीयों और कलश की मांग आज भी इस पारंपरिक कला को जिंदा रखे हुए है। रामानुजगंज के कई कुम्हार परिवारों के लिए यह काम केवल परंपरा नहीं, बल्कि परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। सुबह से शाम तक चाक पर मिट्टी को आकार देने, उसे सुखाने और फिर पकाने का काम चलता है। हालांकि इस परंपरागत कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कुम्हारों को इलेक्ट्रॉनिक चाक, मिट्टी की उपलब्धता और बेहतर बाजार जैसी सुविधाओं की जरूरत महसूस हो रही है। रामानुजगंज के कुम्हार चिकनी मिट्टी से दीये, कलश और पूजा सामग्री के साथ कई तरह के घरेलू सामान तैयार करते हैं। कई परिवार आज भी पारंपरिक सीमेंट के चाक का इस्तेमाल करते हैं, जिसे हाथ से घुमाकर मिट्टी को आकार दिया जाता है। कभी इसी चाक पर मटके, घड़े, कड़ाही, खड़े और घरेलू उपयोग की अनेक वस्तुएं तैयार होती थीं। समय के साथ प्लास्टिक, सीमेंट और आधुनिक सामानों का चलन बढ़ा तो मिट्टी से बने कई उत्पादों की मांग कम हो गई। इसके बावजूद नगरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों में मिट्टी के दीयों और कलशों की मांग बनी रहती है। यही मांग कुम्हार परिवारों को अपनी आजीविका चलाने में मदद करती है। एक समय रामानुजगंज और आसपास के गांवों में मिट्टी के खपड़े लिये घर आम हुआ करते थे। गंभी में इन घरों के भीतर अपेक्षाकृत ठंडक रहती थी। कुम्हार परिवार खपड़ेल बनाकर भी अपनी आजीविका चलाने थे। लेकिन पक्के मकानों और सीमेंट की वादरों का चलन बढ़ने के साथ खपड़ेल की मांग लगभग खत्म हो गई। अब गांवों में कहीं-कहीं पुराने खपड़ेल वाले मकान ही इस परंपरा की याद दिलाते हैं। कुम्हारों का कहना है कि खपड़ेल का काम लगभग बंद हो चुका है और उनका कारोबार अब मुख्य रूप से दीये, कलश और दूसरी छोटी मिट्टी की वस्तुओं तक सीमित रह गया है। रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक एक निवासी कुम्हार संतोष प्रजापति बताते हैं कि उनके पूूर्वज भी मिट्टी के सामान बनाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। आज उनकी अगली पीढ़ी भी इसी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। वे दशहरा और दीपावली के लिए दीये, ढक्कन और चुकला बनाने के साथ शादी-विवाह के लिए कलश तैयार करते हैं। संतोष प्रजापति के अनुसार पारंपरिक चाक पर काम करना काफी मेहनत वाला है। सीमेंट का चाक भारी होता है और उसे लंबे समय तक हलाने से घुमाना पड़ता है। उनका कहना है कि शासन की ओर से इलेक्ट्रॉनिक चाक उपलब्ध करवाया जाए तो कम समय में अधिक सामान तैयार किया जा सकेगा और मेहनत भी कम होगी। वार्ड क्रमांक एक निवासी बालकेश्वर प्रजापति माटी कला बोर्ड के लॉक अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि कुम्हारों के सामने बिकनी मिट्टी की उपलब्धता भी बड़ी समस्या है। दीये और दूसरे सामान बनाने के लिए उपयुक्त मिट्टी की जरूरत होती है, जिसे कई बार खरीदना पड़ता है। उन्होंने बताया कि रामानुजगंज में अभी बहुत कम कुम्हारों को इलेक्ट्रॉनिक चाक मिला है। अधिकांश परिवार पारंपरिक चाक पर ही निर्भर हैं। इस संबंध में शासन को आवेदन दिया गया है।



महालया शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत करेगा खुला मंच

मेदिनीनगर : महालया के अवसर पर श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति, पलामू द्वारा निकाली जा रही भव्य शोभायात्रा का खुला मंच व्हाट्सऐप ग्रुप द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया जाएगा। मंच के एडमिन रजनीश सिंह, अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि, कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष रितेश कुमार टिंकू तथा वरिष्ठ सदस्यों अमर सहाय, अरविंद अग्रवाल, विनीत सिंह, अमित सिन्हा, नीरज राज एवं बबलू चावला द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए मंच के प्रवक्ता नवीन तिवारी ने बताया कि शोभायात्रा के स्वागत की पूरी जिम्मेदारी हिमांशु शेखर एवं नीरज राज को सौंपी गई है। श्री तिवारी ने बताया कि शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं सॉफ्ट ड्रिंक की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन का स्वागत नहीं, बल्कि मां दुर्गा के आगमन की खुशी में समाज की सामूहिक आस्था और सहभागिता का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति, पलामू के अध्यक्ष दुर्गा जौहरी को सम्मानित भी किया जाएगा। खुला मंच ने शहरवासियों से अपील की है कि महालया के इस पावन अवसर पर शोभायात्रा का स्वागत पूरे उत्साह, श्रद्धा और अनुशासन के साथ करें तथा अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं।

पलामू में टीबी उन्मूलन अभियान को मिलेगी नई रफ्तार, जोश टीम का शुभारंभ



मेदिनीनगर : पलामू में टीबी उन्मूलन अभियान को नई रफ्तार देने के उद्देश्य से हजोश टीमह्द का शुभारंभ किया गया। पलामू के उप विकास आयुक्त सदात अत्वर ने टीम की शुरुआत की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से गांव, पंचायत, वार्ड एवं समुदाय स्तर तक टीबी के प्रति जागरूकता फैलाना है। जोश टीम के सदस्य लोगों को टीबी के लक्षणों, समय पर जांच कराने, नियमित रूप से दवा लेने तथा उपचार का पूरा पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए जागरूक करेंगे। टीम के माध्यम से लोगों को यह संदेश भी दिया जाएगा कि लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना अथवा रात में पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए टीबी की जांच करानी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर जेओएसएच (जोश) यानी स्वास्थ्य के लिए संयुक्त दल पहल की शुरुआत 8 अक्टूबर 2026 से की गई है। पलामू में भी युवाओं को इस अभियान से जोड़कर टीबी उन्मूलन के प्रयासों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने की तैयारी की गई है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने और समय पर जांच एवं उपचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

रूपी सोरेन के निधन पर लाल मोती नाथ सहदेव ने जतायी गहरी संवेदना

लातेहार : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी श्रीमती रूपी सोरेन के निधन पर झामुमो के लातेहार जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ सहदेव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि रूपी सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. उनके निधन से सोरेन परिवार के साथ झामुमो कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर है. लाल मोती नाथ सहदेव ने कहा कि रूपी सोरेन ने अपने जीवन में संघर्ष, त्याग और सादगी की मिसाल पेश की. उन्होंने परिवार को मजबूती देने के साथ कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस बनाए रखा. उनके निधन से परिवार ने एक मजबूत मातृ शक्ति को खो दिया है. जिलाध्यक्ष ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत पूरे शोकाकुल परिवार को इस दु:ख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना की. उन्होंने कहा कि रूपी सोरेन की स्मृतियां सदैव लोगों के बीच जीवित रहेंगी.

आईजीआईएमएस में मरीज को बिना इलाज लौटाने का आरोप, परिजनों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

पटना : इंदिरा गांधी आर्युर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में एक मरीज को कथित तौर पर समुचित इलाज नहीं मिलने और अस्पताल से वापस लौटने का मामला सामने आया है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था और स्वास्थ्य कर्मियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग की है। परिजनों के अनुसार, पटना 7 अक्टूबर की शाम की है। भोला सिंह को इलाज के लिए अस्पताल की आपातकालीन सेवा में लाया गया था। परिजनों का कहना है कि आपातकालीन विभाग में 100 रुपये का पर्चा बनवाने के बाद मरीज को अंदर ले जाया गया, लेकिन काफी देर तक कोई चिकित्सक मरीज को देखने के लिए नहीं आया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद उन्हें पहले बिस्तर उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर इंतजार कराया गया। काफी समय बीतने के बावजूद मरीज की समुचित चिकित्सकीय जांच और इलाज शुरू नहीं किया गया। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने अस्पताल के मनीष मंडल की जानकारी दी, लेकिन इसके बाद भी मरीज को इलाज नहीं मिल सका। **अलग कमरे के लिए 25 हजार रुपये मांगने का आरोप** : परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल के काउंटर पर मौजूद एक व्यक्ति ने खुद को चिकित्सक बताते हुए कथित तौर पर अलग कमरे और विशेष इलाज के लिए 25 हजार रुपये की मांग की। परिजनों का कहना है कि उन्होंने इसका विरोध किया और कहा कि वे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल आए हैं। परिजनों के अनुसार, इस दौरान काफी समय बीत गया, लेकिन मरीज का उपचार शुरू नहीं हुआ। अंततः उन्हें मरीज को बिना इलाज कराए ही वापस घर ले जाना पड़ा।

स्वास्थ्य मंत्री से जांच की मांग : मरीज के परिजनों ने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी अस्पताल गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए इलाज का प्रमुख सहारा हैं। ऐसे में यदि आपातकालीन स्थिति में भी मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़े तो यह गंभीर चिंता का विषय है। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन से भी मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। **अस्पताल की इमर्जेंसी व्यवस्था पर सवाल** : मरीज के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों ने अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्था, मरीजों की सुविधाओं और स्वास्थ्य कर्मियों की जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब अस्पताल प्रशासन की ओर से मामले में क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर नजर रहेगी।



गुलाम शाहिद
रांची : मुरहू प्रखंड में जल जीवन मिशन एवं जल-नल योजना के क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं के बावजूद कई गांवों में नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं होने का मामला सामने आया है। मुरहू के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने प्रखंड की सभी 16 पंचायतों में संचालित जल जीवन मिशन की योजनाओं की उच्चस्तरीय एवं भौतिक जांच कराने की मांग की है। उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि वर्ष 2022 में चुनाव के दौरान उन्हें उम्मीद थी कि जल-नल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर तक पानी पहुंचेगा और ग्रामीणों को पेयजल संकट से स्थायी राहत मिलेगी। लेकिन वर्तमान में कई स्थानों पर स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने कहा कि पहले

ग्रामीण चापाकल और कुओं से किसी तरह अपनी जरूरत पूरी कर लेते थे, लेकिन कई जगह अब चापाकल भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जल-नल योजनाओं में लगे मोटर खराब होने के बाद उन्हें चालू कराने में काफी समय लग जाता है। बिजली की अनियमितता भी पेयजल आपूर्ति में बाधा बन रही है। गर्मी के दिनों में नदी और अन्य जलस्रोतों का जलस्तर कम होने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ जाती है। कई स्थानों पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण भी जलापूर्ति प्रभावित होने की बात कही गई है। अरुण साबू ने कई स्थानों पर बनी पानी की टंकियों की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ टंकियों के ऊपर सुरक्षा जाली नहीं लगी है और पानी खुले में जमा रहता है। इससे पानी की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को लेकर भी चिंता

बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पर्याप्त जलस्रोत की व्यवस्था ही नहीं है, तो केवल टंकी, पाइपलाइन और मोटर लगाने से ग्रामीणों को स्थायी पेयजल कैसे उपलब्ध कराया जा सकता है। उप प्रमुख ने मुरहू प्रखंड की सभी 16 पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत संचालित एवं पूर्ण की गई योजनाओं की जमीनी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना में जलस्रोत, पाइपलाइन, मोटर, पानी की टंकी, बिजली व्यवस्था, जल गुणवत्ता और वर्तमान में हो रही जलापूर्ति की स्थिति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी कई ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ रहा है। ऐसे में योजनाओं पर बड़ी राशि खर्च होने के बाद भी यदि ग्रामीणों को नियमित पानी नहीं मिल रहा है तो इसके लिए जिम्मेदारी तय होनी

चाहिए। अरुण साबू ने खूंटी जिले में पेयजल योजनाओं के रखरखाव की व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। उनका आरोप है कि चापाकल की मरम्मत के लिए कभी-कभी मिस्त्री उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन पाइप एवं अन्य जरूरी सामग्री के लिए ग्रामीणों को स्वयं खर्च करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि विभाग यह सार्वजनिक करे कि पिछले तीन वर्षों में मुरहू प्रखंड में पेयजल योजनाओं के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए कितनी राशि उपलब्ध कराई गई और उसका उपयोग किन-किन योजनाओं में किया गया। उप प्रमुख ने कहा कि सरकार पेयजल के लिए चाहिए कि योजनाओं का लाभ केवल ग्रामीणों के जीवन की मूल आवश्यकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध हो।

बनी योजनाओं को सुचारु करना और उनका नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से मुरहू प्रखंड की सभी जल-नल योजनाओं का स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय भौतिक सत्यापन कराने, खराब योजनाओं को तत्काल दुरुस्त करने, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन एवं खराब मोटरों की मरम्मत कराने तथा जहां जलस्रोत उपलब्ध नहीं हैं, वहां स्थायी वैकल्पिक जलस्रोत की व्यवस्था करने की मांग की। अरुण साबू ने कहा कि पेयजल ग्रामीणों के जीवन की मूल आवश्यकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध हो।

प्रियंका आनंद बनीं दुमका नगर थाना की नई थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक

विनय मिश्रा
दुमका जिला के नगर थाना की नई थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रियंका आनंद ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। प्रियंका आनंद झारखंड की तेज-तर्रार, कर्मठ एवं अनुभवी पुलिस अधिकारियों में अपनी अलग पहचान रखती हैं। अपनी बेहतर कार्यप्रणाली, उत्कृष्ट जवाबदेही और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के कारण उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पदस्थापना के दौरान लोकप्रिय एवं जनप्रिय पुलिस अधिकारी के रूप में पहचान बनाई है। नगर थाना प्रभारी का पदभार संभालने से पूर्व प्रियंका आनंद अंचल पुलिस निरीक्षक के पद पर पदस्थापित थीं। वर्ष 2012 बैच की पुलिस निरीक्षक प्रियंका आनंद ने अपने सेवाकाल के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर जिम्मेदारियां निभाई हैं। पलामू एवं पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर में भी वे पदस्थापित रह चुकी हैं। दुमका जिले में पदस्थापना से पूर्व उन्होंने सीआईडी में भी अपनी सेवाएं दी हैं।



पदभार ग्रहण करने के बाद नई थाना प्रभारी प्रियंका आनंद ने कहा कि नगर थाना क्षेत्र में बेहतर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी शिकायत, समस्या अथवा किसी भी प्रकार की परेशानी को लेकर बिना किसी झिझक के थाना आए और अपनी बात पुलिस के समक्ष रखें। लोगों की समस्याओं का निवमानुसार हसरंभव समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों को पुलिस को अपना सच्चा और अच्छा

मित्र समझना चाहिए। क्षेत्र में किसी प्रकार की अपराधिक गतिविधि, संदिग्ध व्यक्ति या घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस को तत्काल सूचना दें। सूचना देने वाले लोगों की पहचान एवं उनकी जानकारी को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। प्रियंका आनंद ने कहा कि नगर थाना क्षेत्र के लोग भयमुक्त वातावरण में सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करें, यह उनकी प्राथमिकताओं में प्रमुख रूप से शामिल है। उन्होंने आम लोगों से पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की। प्रियंका आनंद की कार्यशैली और आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार को उनकी कार्यकुशलता का परिचायक माना जाता है। उनके नगर थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण करने से क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग और विधि-व्यवस्था को लेकर लोगों में सकारात्मक उम्मीद जगी है। ऐसे कर्मठ और जनाहित के प्रति समर्पित पुलिस अधिकारियों पर जिला ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य को गर्व है।

संवाददाता

चक्रधरपुर : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की धर्मपत्नी श्रीमती रूपी सोरेन के बुधवार, 7 अक्टूबर की रात निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर है। रूपी सोरेन ने रांची के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस दुखद घटना पर चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव ने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले महीने उन्हें श्रीमती रूपी सोरेन से व्यक्तिगत रूप से भेंट करने और उनका आशीर्वाद लेने का अवसर मिला था। उस मुलाकात की स्मृतियां उनके मन में हमेशा बनी रहेंगी। सन्नी उरांव ने कहा, हरूपी सोरेन का निधन मेरे लिए अत्यंत दुखद और व्यक्तिगत क्षति है। पिछले महीने उनसे हुई मुलाकात में जिस मातृवत स्नेह और अपनापन का अनुभव हुआ, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उनका स्नेह और आशीर्वाद सदैव स्मरण रहेगा। उन्होंने कहा कि रूपी सोरेन ने अपने



परिवार के साथ-साथ झारखंड के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से सोरेन परिवार के साथ-साथ झारखंड ने एक मातृवत व्यक्ति खो दिया है। सन्नी उरांव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

एवं समस्त शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, हर्दईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा मुख्यमंत्री जी और पूरे परिवार को इस अप्रार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें। विनम्र श्रद्धांजलि। ॐ शांति।

मानसिक स्वास्थ्य सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : सिविल सर्जन

साहिबगंज : मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने किया। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल मानसिक स्वास्थ्य टीम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉक्टर, पैरामेडिकल कर्मी और अन्य कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तो मरीजों को बेहतर उपचार के साथ भावनात्मक सहयोग भी मिल सकता है।

1.22 करोड़ की लागत से तैयार होगी आठ योजनाएं

संवाददाता
साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य को लेकर बुधवार को टाउन हॉल में कई योजनाओं का शिलान्यास नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उपाध्यक्ष

विनीता देवी कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह सहित वार्ड पार्षदों ने विधिवत पूजन करके नारियल फोड़कर फीता काटकर व शिलापट आवरण करके किया। अध्यक्ष ने बताया कि शहर के

विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 22 लाख, 80 हजार रुपये का कुल आठ योजनाओं जिसमें सड़क नाला पेवर्स ब्लॉक सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया। मौके पर सिटी मैनेजर रवि कुमार, वार्ड पार्षद चमरू उरांव, पार्वती

उरांव, संजू देवी, हिना प्रवीण, बेबी खातून, मनोज तांती, आरती कुमारी, रंजीत कुमार साह, पार्वती देवी, आरती कुमारी, दीपा देवी, बुधारा तहरीम, अमित गुप्ता, दीपा देवी, रिफत प्रवीण, शेखर पासवान सहित अन्य थे।

झारखंड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में नए सत्र का शुभारंभ

प्रशिक्षुओं का हुआ मार्गदर्शन और सम्मान

कोडरमा : झारखंड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 को बी.एड. एवं डी.एल.एड. के नए शैक्षणिक सत्र 2026-28 के प्रशिक्षुओं के लिए सत्रारंभ, पाठ्यक्रम उन्मुखीकरण तथा पुरातन छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह में महाविद्यालय के सचिव डॉ. डी. एन. मिश्रा, मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी मुकुल राज, विशिष्ट अतिथि झुमरी तिलैया नगर परिषद के अध्यक्ष रमेश हर्षधर, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के

शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) तनवीर यूनुस, दानदाता कला देवी, प्राचार्य डॉ. अजय यादव, डॉ. प्रियंका, समन्वयक प्रो. सुरभि कुमारी एवं डी.एल.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. मीना कुमारी उपस्थित रहे। मेधावी प्रशिक्षुओं और पुरातन छात्रों का सम्मान सम्मान समारोह के दौरान बी.एड. सत्र 2024-26 एवं डी.एल.एड. सत्र 2023-25 के मेधावी प्रशिक्षुओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, संस्थान के पूर्व छात्रों को स्मृति चिह्न एवं पीतांबर भेंट कर उनके योगदान की सराहना की गई। बी.एड. सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के लिए दीक्षा एवं पीतांबर भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिकता पर जोर



मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी मुकुल राज ने प्रशिक्षुओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा एक कुशल शिक्षक बनने के आवश्यक गुणों से अवगत कराया। नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने शिक्षकों के जीवन में नैतिकता,

सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) तनवीर यूनुस ने प्रशिक्षुओं को संवेदनशील शिक्षक बनने के लिए महर्षि अरविंद एवं स्वामी विवेकानंद के विचारों और आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी।

महाविद्यालय के सचिव डॉ. डी. एन. मिश्रा ने नए सत्र के प्रशिक्षुओं से पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. अजय यादव ने सफल शिक्षक जीवन के लिए स्व-

अनुशासन को सबसे महत्वपूर्ण कुंजी बताया। पाठ्यक्रम की दी गई विस्तृत जानकारी उन्मुखीकरण के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने नए प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विषय-वस्तु एवं प्रशिक्षण की विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, अध्ययन पद्धति एवं शिक्षण कौशल के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी ने कुशलतापूर्वक किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुशीला देवी ने प्रस्तुत किया। आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के देखरेख प्रभारी अमित पांडेय सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

